सुविचार

तुम अपने मिनटों का ध्यान रखो, घंटे अपनी परवाह खुद कर लेंगे।

अर्ल ऑफ चेस्टरफील्ड

दैनिक

रेवांचल टाइम्स

निष्पक्ष, निर्भीक एवं सत्य का प्रवर्तक

Revanchal Times
7509202320
@revanchal_times
revanchaljabalpur@gmail.com
revanchaltimes_

वर्ष 2 ■ अंक 286 ■ जबलपुर, रविवार 12 अक्टूबर 2025 ■ पृष्ठ 8 ■ मूल्य, 01 रुपये ■ RNI. Reg. No MPHIN/2023/90965

टेक्सटाइल से लेकर फुटवियर जैसे सेक्टर में एक्सपोर्ट बढ़ने की उम्मीद

चीन पर ट्रम्प का 100% टैरिफ, भारत को फायदा

नई दिल्ली। अमेरिका और चीन के बीच ट्रेड वॉर से भारतीय एक्सपोर्टर्स को फायदा हो सकता है। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एक दिन पहले चीन पर 100% टैरिफ लगाने का ऐलान किया। एक्सपर्ट्स का कहना है कि इससे भारतीय एक्सपोर्टर्स को अमेरिकी बाजार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने का मौका मिलेगा। ट्रम्प ने शुक्रवार को कहा कि नया टैरिफ 1 नवंबर से लागू होगा। चीन से अमेरिका आने वाले सामानों पर पहले से 30% टैरिफ लग रहा है। ऐसे में चीन पर कुल 130% टैरिफ लगेगा। ट्रम्प ने 1 नवंबर से सभी अहम सॉफ्टवेयर के निर्यात पर भी कंट्रोल करने की बात कही है। दरअसल, चीन ने 9 अक्टूबर को दुर्लभ खनिज (रेयर अर्थ मटेरियल) पर निर्यात को और कड़ा कर दिया था, जिसके जवाब में ट्रम्प ने नए टैरिफ लगाने की बात कही है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, दोनों देशों के बीच इस ट्रेड वॉर का असर पूरी दुनिया पर पड़ सकता है, लेकिन भारत के लिए यह एक बड़ा मौका साबित हो सकता है।

भारतीय एक्सपोर्टर्स को कैसे फायदा होगा?

जवाबः अमेरिका ने चीनी सामानों पर भारी टैरिफ लगाया है, जिससे चीन के प्रोडक्ट्स अमेरिकी बाजार में महंगे हो जाएंगे। दूसरी तरफ, भारतीय सामानों पर अभी 50% टैरिफ है, जो चीन की तुलना में काफी कम है। इससे भारतीय प्रोडक्ट्स अमेरिका में ज्यादा कॉम्पिटेटिव हो जाएंगे। फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशंस के अध्यक्ष एससी रालहन ने कहा कि इससे भारत के 86 बिलियन डॉलर यानी 7.3 लाख करोड़ रुपए के एक्सपोर्ट में और बढ़ोतरी हो सकती है। खासकर टेक्सटाइल, खिलौने और अन्य सामानों के एक्सपोर्टर्स को ज्यादा फायदा होगा। उदाहरण के लिए, एक टेक्सटाइल एक्सपोर्टर ने कहा कि यह टैरिफ भारत को अमेरिका में बड़ा मौका देगा। खिलौना एक्सपोर्टर मनु गुप्ता ने भी बताया कि अमेरिकी रिटेलर्स जैसे टारगेट ने उनसे नए प्रोडक्ट्स के लिए संपर्क किया है।

सवालः किन भारतीय सेक्टर्स को सबसे ज्यादा फायदा होगा? जवाबः टेक्सटाइल, खिलौने, इलेक्ट्रॉनिक्स, फुटवियर, व्हाइट गुड्स (जैसे फ्रिज, वॉशिंग मशीन) और सोलर पैनल जैसे सेक्टर्स को सबसे ज्यादा फायदा होने की उम्मीद है। चीनी सामानों के महंगे होने से अमेरिकी खरीदार भारत की तरफ रुख कर सकते हैं, क्योंकि भारतीय प्रोडक्ट्स अब ज्यादा किफायती होंगे।

सवालः इस ट्रेड वॉर का और किन देशों पर असर पड़ेगा? जवाबः अमेरिका के बड़े बिजनेस पार्टनर्स जैसे मेक्सिको और कनाडा को इस ट्रेड वॉर का सबसे ज्यादा नुकसान होगा। इसके अलावा एशिया के देश जैसे दक्षिण कोरिया, जापान और सिंगापुर भी प्रभावित होंगे। इन देशों की सप्लाई चेन में रुकावट आ सकती है। खासकर इलेक्ट्रॉनिक्स, टेक्नोलॉजी और मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर्स में, क्योंकि ये देश अमेरिका और चीन दोनों के साथ मजबूत व्यापारिक रिश्ते रखते हैं।

सवालः ग्लोबल मार्केट पर इसका क्या असर होगा? जवाबः थिंक टैंक GTRI के मुताबिक, इस ट्रेड वॉर से इलेक्ट्रिक व्हीकल्स (एश्२), विंड टर्बाइन और सेमीकंडक्टर पार्ट्स की कीमतें ग्लोबल मार्केट में बढ़ सकती हैं। इससे इन प्रोडक्ट्स की लागत बढ़ेगी और सप्लाई चेन में बदलाव आएंगे, जो कई देशों की अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकता है।

सवालः भारत-अमेरिका व्यापार का भविष्य कैसा हो सकता है? जवाबः भारत और अमेरिका के बीच 2024-25 में बायलैटरल ट्रेड 131.84 बिलियन डॉलर (11.6 लाख करोड़ रुपए) रहा, जिसमें 86.5 बिलियन डॉलर यानी 7.6 लाख करोड़ रुपए का एक्सपोर्ट भारत से हुआ है। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है और भारत के टोटल मर्चेंडाइज एक्सपोर्ट यानी कुल माल निर्यात का 19% हिस्सा अमेरिका को जाता है। दोनों देश एक बायलैटरल ट्रेड एग्रीमेंट पर भी बातचीत कर रहे हैं, जो भविष्य में व्यापार को और बढ़ा सकता है। इस ट्रेड वॉर से भारत को अपनी स्थिति और मजबूत करने का मौका मिल सकता है।

पश्चिम बंगाल में मेडिकल स्टूडेंट से गैंगरेप

3 लोगों ने रास्ता रोका

दरिंदगी की; साथ में दोस्त था, वह छोड़कर भाग गया

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के पश्चिम बर्धमान जिले के दुगार्पुर में एक मेडिकल स्टूडेंट के साथ गैंगरेप का मामला सामने आया है। वारदात शुक्रवार की है। पीड़ित अपने एक पुरुष दोस्त के साथ डिनर पर गई थी। वापस लौटते समय 3 लोगों ने उनका रास्ता रोका। छात्रा का दोस्त उसे छोड़कर भाग गया, जिसके बाद आरोपियों ने उससे दरिंदगी की। पुलिस ने शनिवार को बताया कि पीड़ित ओडिशा के जलेश्वर की रहने वाली है और दुगार्पुर के एक प्राइवेट मेडिकल कॉलेज में सेकेंड ईयर की स्टूडेंट है। यह घटना मेडिकल कॉलेज कैंपस के बाहर हुई। मेडिकल छात्रा का पास के एक अस्पताल में इलाज चल रहा है। इस बीच, राष्ट्रीय महिला आयोग (N C W) की टीम रविवार को दुगार्पुर जा रही है। भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने कहा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल को बलात्कारियों और अपराधियों के लिए सुरक्षित ठिकाना बना दिया है।

छात्रा बोली- आरोपियों ने फोन वापस करने के लिए पैसे मांगे- छात्रा कॉलेज से रात करीब 8:30 से 9 बजे बाहर गई थी। रात करीब 10 बजे वापस लौटते समय गैंगरेप की घटना हुई। छात्रा के माता-पिता को देर रात मामले की जानकारी दी गई। वे आज सुबह दुगार्पुर पहुंचे और दुगार्पुर न्यू टाउनशिप थाने में अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कराया। पुलिस के मुताबिक, छात्रा ने बताया कि जब तीन लोगों ने उसका रास्ता रोका, तो उसका दोस्त उसे अकेला छोड़कर चला गया। फिर आरोपियों ने उसका फोन छीन लिया और उसे जंगल में ले गए, जहां तीनों ने उसके साथ रेप किया। आरोपियों ने घटना के बारे में किसी को बताने पर छात्रा को अंजाम भुगतने की धमकी भी दी। फिर उसका मोबाइल फोन वापस करने के लिए पैसे भी मांगे। पुलिस ने बताया कि उन्होंने पीड़ित छात्रा का बयान दर्ज कर लिया है। पुलिस ने बताया कि कल रात पीड़ित की दोस्त से भी पूछताछ की गई है। उउळश फुटेज की जांच कर रहे हैं। सबूत इकट्ठा करने के लिए एक फोरेंसिक टीम घटनास्थल का दौरा करेगी। अभी तक मामले में किसी आरोपी की पहचान या गिरफ्तारी नहीं हुई है। मेडिकल कॉलेज के कर्मचारियों से भी पूछताछ हो रही है।

छात्रा के पिता बोले- कॉलेज में सुरक्षा की कोई व्यवस्था नहीं- घटना पर छात्रा के पिता ने कहा- हम आज सुबह यहां आए और पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। मैंने सुना था कि कॉलेज अच्छा है, इसलिए अपनी बेटी को यहां मेडिकल की पढ़ाई के लिए भेजा था। कभी नहीं सोचा था कि उसके साथ ऐसा कुछ होगा। यहां सुरक्षा की कोई व्यवस्था नहीं है।

महिला आयोग की टीम दुगार्पुर रवाना- राष्ट्रीय महिला आयोग (ठउह) की टीम दुगार्पुर जा रही है ताकि पीड़िता और उसके परिवार से मुलाकात कर सहायता दी जा सके। ठउह सदस्य अर्चना मजूमदार ने कहा, ह्लबंगाल में महिलाओं के खिलाफ अपराध बढ़ रहे हैं। पुलिस सक्रिय कदम नहीं उठा रही, यह चिंताजनक है। मुख्यमंत्री को तुरंत कदम उठाने चाहिए। 2024 में आरजी कर मेडिकल कॉलेज में डॉक्टर का रेप-मर्डर हुआ था आरजी कर केस में संजय रॉय नाम के सिविक वॉलंटियर को अरेस्ट किया गया था। पश्चिम बंगाल में मेडिकल स्टूडेंट के साथ गैंगरेप की इस घटना ने 2024 के आरजी कर मामले की यादें ताजा कर दी हैं।

भारत की एशिया कप ट्रॉफी A C C चीफ की कस्टडी में

कहा- मेरी इजाजत बिना न दें; टीम इंडिया ने उनके हाथों ट्रॉफी नहीं ली थी

मुम्बई। एशियन क्रिकेट काउंसिल के चेयरमैन मोहसिन नकवी ने अपने स्टाफ को निर्देश दिया है कि उनकी मंजूरी और मौजूदगी के बिना एशिया कप ट्रॉफी न तो ऑफिस से हटाई जाए और न ही किसी को सौंपी जाए। नकवी के एक करीबी सूत्र ने ढळकको बताया, 'आज तक ट्रॉफी दुबई के अउउ ऑफिस में ही रखी है। नकवी अब भी इस स्टैंड पर कायम हैं कि भारत को यह ट्रॉफी उनसे ही लेनी होगी।' भारत ने 28 सितंबर को खेले गए फाइनल में पाकिस्तान को हराकर एशिया कप का खिताब जीता था। भारतीय टीम ने मोहसिन नकवी से ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया था। भारत ने यह स्टैंड पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में लिया था। नकवी अउउ चेयरमैन होने के साथ-साथ पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चीफ भी हैं। साथ ही वे पाकिस्तान के गृह मंत्री भी हैं।

पूरा मामला क्या है?

एशिया कप फाइनल के बाद नकवी एशियन क्रिकेट काउंसिल के चेयरमैन होने के नाते प्रेजेंटेशन सेरेमनी में आए थे। सेरेमनी के प्रेजेंटर साइमन डूल ने कहा कि भारतीय टीम उनसे

अवॉर्ड्स नहीं लेगी। भारतीय टीम अउउ के किसी अन्य अधिकारी के हाथों ट्रॉफी लेने को तैयार थी, पर नकवी खुद ट्रॉफी देने पर अड़ गए। इसके बाद कार्यक्रम खत्म कर दिया गया और नकवी मंच से उतर गए। वे ट्रॉफी और मेडल्स भी अपने साथ ले गए। भारतीय खिलाड़ियों ने इससे पहले पूरे टूनार्मेंट में पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ भी नहीं मिलाया था। दूसरी ओर, पाकिस्तानी खिलाड़ियों ने बार-बार 6-0 के इशारे किए थे। वे पाकिस्तान के इस फर्जी दावे को दोहरा रहे थे कि पाकिस्तान ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत के 6 फाइटर जेट गिराए थे।

नकवी ने कहा था- मैं कार्टून की तरह खड़ा था- एशिया कप फाइनल के बाद इउउकने अउउ की एनुअल जनरल मीटिंग में भारत को चैंपियन बनने के बावजूद ट्रॉफी नहीं दिए जाने का कड़ा विरोध किया था। इस पर नकवी ने सफाई देते हुए कहा था कि उन्हें लिखित में कहीं से यह सूचना नहीं दी गई थी कि भारतीय टीम उनसे ट्रॉफी नहीं लेगी। नकवी ने कहा, 'मैं तो वहां बिना वजह एक कार्टून की तरह खड़ा था।'

अनंतनाग में मिले दो जवानों के शव

जम्मू। जम्मू-कश्मीर जिले के अनंतनाग जिले में आतंवाद-रोधी अभियान के दौरान लापता हुए दो पैराकमांडो जवानों के शव कोकरनाग के गडोले के ऊंचाई वाले जंगलों में बरामद किए गए हैं। सेना की श्रीनगर स्थित चिनार कोर के अनुसार दोनों जवान एक विशिष्ट पैरा यूनिट का हिस्सा थे जो तलाशी अभियान चला रही थी, तभी वे अचानक आए बफीले तूफान में फंस गए। बुधवार को सेना का इन दोनों जवानों से संपर्क टूट गया था। जिसके बाद बर्फ.से ढके इलाके में व्यापक तलाशी अभियान चलाया गया। अधिकारियों ने बताया कि पांच पैरा यूनिट के लांस हवलदार पलाश घोष का शव गुरुवार को उनके हथियार और पीठ थैला के साथ बरामद किया गया, जबकि लांस नायक सुजॉय घोष कल उसी इलाके में मृत पाए गए। ये दोनों ही जवान पश्चिम बंगाल के रहने वाले थे। एक वरिष्ठ सैन्य अधिकारी ने बताया कि क्षेत्र में लगभग दो फीट ताजा हिमपात हुआ है, जिससे बचाव कार्य बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। दक्षिण कश्मीर के कोकेरनाग सेक्टर में स्थित गडोले क्षेत्र में पहले भी कई आतंकवाद-रोधी अभियान चलाए जा चुके हैं जिसके चलते शुरुआती अटकलें लगाई जा रही थीं कि दोनों किसी मुठभेड़ के दौरान लापता हो गए होंगे। सेना ने हालांकि बाद में स्पष्ट किया कि वे अभियान के दौरान आए बफीर्ले तूफान के शिकार हुए थे। C M **ममता बनर्जी ने जताया शोक-** पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में आतंकवाद-रोधी अभियान के दौरान प्रदेश के दो सैन्य पैराकमांडो की शहादत पर गहरा दुख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने एक्स पर लिखा, ह्लहमारे बंगाल के दो बहादुर पैराकमांडो की शहादत से दुखी हूं, जिन्होंने जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग में आतंकवाद-रोधी अभियान के दौरान चरम मौसम का सामना करते हुए प्राण त्याग दिए।

मध्य प्रदेश में मंत्रिमंडल विस्तार के संकेत

सीएम करेंगे मंत्रियों और विधायकों के कामकाज की समीक्षा

कुछ पूर्व मंत्रियों को फिर मौका दिया जा सकता है

वर्तमान में मुख्यमंत्री सहित 31 मंत्री हैं

नियम के अनुसार 35 मंत्री हो सकते हैं

भोपाल। मध्य प्रदेश के कमिश्नर और कलेक्टरों की भोपाल में दो दिन चली कांफ्रेंस के बाद अब मुख्यमंत्री डा मोहन यादव अपनी सरकार के मंत्री व विधायकों के कामकाज की समीक्षा करेंगे। वह मंत्रियों के साथ वन-टू-वन बैठक करके विभागवार उनके कामकाज की समीक्षा करेंगे। विभागवार मंत्रियों के प्रदर्शन का आकलन किया जाएगा और इसके आधार पर मंत्रियों के कामकाज की ग्रेडिंग तय होगी।

जल्द ही मंत्रियों के साथ बैठक का दौर शुरू करने की तैयारी है। यही वजह रही कमिश्नर कलेक्टरों की कांफ्रेंस में किसी भी मंत्री से शामिल नहीं किया गया। कांफ्रेंस में मुख्यमंत्री ने मंत्रियों के प्रभार वाले जिलों की स्थिति का

आकलन किया है। इस आधार पर अब वह मंत्रियों से जानेंगे कि उन्होंने 20 माह में अपने प्रभार के जिलों में क्या-क्या कार्य किए। इसी तरह मुख्यमंत्री डॉ. यादव पार्टी के विधायकों के कामकाज को भी देखेंगे। उल्लेखनीय है कि विधायकों को चार साल का रोडमैप बनाने के लिए कहा गया था। उन्होंने अपने विधायक निधि का जनकल्याण में कितना उपयोग किया, इसकी रिपोर्ट भी तैयार कराई गई है। यह रिपोर्ट मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुत की जाएगी। इधर, मुख्यमंत्री ने पहले ही मंत्रियों के परफारमेंस की एक रिपोर्ट तैयार कराई है, जो केंद्रीय नेतृत्व को भेजी गई थी। सिंहस्थ -2028 से कार्यों से जुड़े से 12 विभागों की मुख्यमंत्री अलग से बैठक लेंगे। मुख्यमंत्री जिस तरह से मंत्रियों के कामकाज पर नजर बनाए हुए हैं उससे मंत्रिमंडल विस्तार के संकेत मिल रहे हैं। पूर्व में मुख्यमंत्री द्वारा अपने मंत्रियों के कामकाज की रिपोर्ट तैयार कराने के बाद इसकी प्रबल संभावना देखी जा रही है। मंत्रिमंडल विस्तार होता है तो क्षेत्रीय संतुलन साधने के हिसाब कुछ पूर्व मंत्रियों को फिर मौका दिया जा सकता है। वर्तमान में मुख्यमंत्री सहित 31 मंत्री हैं। नियम के अनुसार 35 मंत्री हो सकते हैं।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा आधारित तकनीक से होगा उज्जैन सिंहस्थ में भीड़ प्रबंधन

भोपाल। सिंहस्थ-2028 के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा-आधारित तकनीकों के माध्यम से भीड़ प्रबंधन, सार्वजनिक सुरक्षा, गतिशीलता, स्वास्थ्य और स्वच्छता जैसी चुनौतियों का समाधान किया जाएगा। इसके लिए उज्जैन महाकुंभ हैकाथान का आयोजन किया गया था। भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान भोपाल में उज्जैन महाकुंभ हैकाथान-2025 के दो दिन के सत्र में प्रौद्योगिकी, नवाचार और संस्कृति का संगम देखने को मिला। मध्य प्रदेश राज्य इलेक्ट्रानिक्स विकास निगम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित इस आयोजन में देशभर के युवाओं को एक मंच पर सिंहस्थ-2028 के लिए स्मार्ट, सुरक्षित और समावेशी समाधान प्रस्तुत करने का अवसर मिला। यह सिंहस्थ-2028 के लिए समाधान विकसित करने की दिशा में ऐतिहासिक पहल है। देश के 26 राज्यों से पंजीकरण और 11 राज्यों की 36 चयनित टीमों की भागीदारी ने इस हैकाथान को भारत की नवाचार विविधता का प्रतीक बनाया। टीमों ने नवाचार और तकनीक के अलग-अलग प्रस्तुतीकरण प्रस्तुत किए। चयनित टीमें अगले दो महीनों के परिशोधन अवधि में अपने समाधानों को और विकसित करेंगी, जिससे सिंहस्थ-2028 के लिए एक सशक्त, समावेशी और टिकाऊ तकनीकी आधार तैयार हो सके। कार्यक्रम में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के अपर मुख्य सचिव संजय दुबे, आयुक्त, नगरीय प्रशासन संकेत एस. भोंडवे सहित गणमान्य व्यक्तियों ने प्रतिभागियों के रचनात्मक, तकनीकी और सामाजिक रूप से प्रासंगिक समाधानों की सराहना की। सिंहस्थ जैसे बड़े आयोजनों के लिए डिजाइन नवाचारों में जंगोह (इंदौर) ने 'सिंहथा यूनिफाइड' प्लेटफार्म प्रस्तुत किया। यह स्थानीय भाषाओं में एआइ-संचालित सहायता, रीयल-टाइम अपडेट्स प्रस्तुत करता है।

अहमदाबाद में फिल्मफेयर अवॉर्ड सेरेमनी शुरू

अहमदाबाद। गुजरात के अहमदाबाद में 70वीं फिल्मफेयर अवॉर्ड सेरेमनी शुरू होने वाली है। सेलेब्स का फिल्मफेयर अवॉर्ड के रेड कार्पेट पर पहुंचने का सिलसिला शुरू हो चुका है। शाहरुख खान, अभिषेक बच्चन समेत कई सेलेब्स पहुंच चुके हैं। अभिषेक बच्चन ने भास्कर से कहा- आज मेरे पापा का बर्थडे है। मैं आज उनके साथ नहीं हूं, इसलिए बुरा लग रहा है। पापा आज भी शूटिंग कर रहे हैं। वहीं रवि किशन ने पहला नॉमिनेशन मिलने पर खुशी जाहिर की।28 सितंबर को फिल्मफेयर अवॉर्ड्स की नॉमिनेशन लिस्ट जारी हुई थी। फिल्म ह्यलापता लेडीज ने बेस्ट फिल्म के लिए 24 नॉमिनेशन हासिल कर रिकॉर्ड बना लिया है। ये फिल्मफेयर के 70 साल के इतिहास में सबसे ज्यादा नॉमिनेशन हासिल करने वाली फिल्म बन गई। **रवि किशन बोले- 33 साल बाद फिल्मफेयर के मंच पर पहुंचा-** लापता लेडीज फिल्म में श्याम मनोहर का किरदार निभाने पर बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर के लिए नॉमिनेट हुए रवि किशन सेरेमनी में पहुंच चुके हैं। नॉमिनेशन मिलने पर उन्होंने दैनिक भास्कर से कहा, 'प्रार्थना करिए मिल जाए, फिंगर क्रॉस। 33 साल बाद जीवन में फिल?मफेयर के मंच पर हम आ रहे हैं। मैं इंतजार कर रहा था, कब मेरा नाम नॉमिनेशन में आएगा और महादेव बोलते हैं ना, उसके घर में देर है, अंधेर नहीं।' लापता लेडीज को सबसे ज्यादा 24 नॉमिनेशन मिले हैं। इस पर उन्होंने कहा, 'बस आज हम उम्मीद कर रहे हैं कि सारे 24 जीत जाएं।'

'बहाना नहीं चलेगा', बीमा कंपनी ने नहीं दिया क्लेम, तो उपभोक्ता आयोग ने सुनाई खरी-खोटी

भोपाल। कोई भी व्यक्ति व्यक्तिगत बीमा इसलिए लेता है कि मुसीबत में काम आए, लेकिन जरूरत के समय अकसर बीमा कंपनियां मामूली तकनीकी गलतियों के आधार पर दावा निरस्त कर देती हैं। ऐसे ही एक मामले में भोपाल जिला उपभोक्ता आयोग ने साफ कर दिया कि ऐसे मामलों में बहाना नहीं चलेगा। बीमा कंपनी को दावे की राशि का भुगतान करना ही होगा। हालांकि बीमित की गलतियों के लिए बीमा राशि का कुछ हिस्सा काटा जा सकता है।

ऑटो ड्राइवर की ट्रक से टक्कर में मौत

दरअसल अमरावद खुर्द निवासी अनीता चौहान ने लिबर्टी जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के खिलाफ जिला उपभोक्ता आयोग में याचिका लगाई थी। इसमें शिकायत थी कि उनके पति सुरजीत सिंह ऑटो चालक थे। उन्होंने बीमा कंपनी से व्यक्तिगत बीमा कराया था। 2021 में भोपाल से विदिशा जाते समय बालमपुर घाटी के पास मिनी ट्रक की टक्कर से उनकी मौत हो गई। उसके बाद उन्होंने दुर्घटना बीमा दावा प्रस्तुत किया, लेकिन बीमा कंपनी ने ऑटो का परिचालन परमिट रूट से अलग चलाए जाने के आधार पर बीमा निरस्त कर दिया। बीमा कंपनी का कहना था कि वाहन का अस्थायी परमिट भोपाल नगर निगम की सीमा तक प्रदान किया गया था, लेकिन उपभोक्ता सवारियों को बालमपुर घाटी में नगर निगम क्षेत्र के बाहर ले गया।

आयोग ने बीमा कंपनी की बात को मानने से किया इनकार

वहां दुर्घटना होने से बीमा पालिसी की शर्तों का उल्लंघन किया गया है। आयोग ने बीमा कंपनी की बात को पूरी तरह स्वीकार नहीं किया। आयोग का कहना था कि उपभोक्ता के पास ड्राइविंग लाइसेंस सहित सभी दस्तावेज सही पाए गए थे। दुर्घटना के समय परमिट क्षेत्र से बाहर होना बीमा पालिसी की मूलभूत शर्तों का उल्लंघन नहीं था। अतः बीमा कंपनी का यह दायित्व था कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा ऐसे ही एक मामले में नॉन स्टैंडर्ड के आधार पर बीमा धन का 75 प्रतिशत राशि का भुगतान करे। जिला आयोग ने बीमा कंपनी को बीमा दावे 15 लाख रुपये का 75 प्रतिशत यानी 11.25 लाख रुपये देने का आदेश दिया। इसके साथ ही 13 हजार रुपये मानसिक क्षतिपूर्ति राशि देने का भी आदेश दिया। बीमा कंपनी ने वाहन के परमिट क्षेत्र का उल्लंघन बताकर दावा निरस्त किया था। ऐसे ही एक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने उपभोक्ता के पक्ष में निर्णय सुनाया था। उस निर्णय को आधार बनाते हुए आयोग ने उपभोक्ता को बीमा दावे का 75 प्रतिशत दिलाया है। बीमा कंपनी को मानसिक क्षतिपूर्ति का दायी भी बनाया गया है। मोना पालीवाल, उपभोक्ता की अधिवक्ता।

मां रेवा पब्लिकेशन एंड प्रिंटर्स
जबलपुर शहर में सबसे कम दामों में
समाचार पत्र के A to Z कार्य का एकमात्र स्थान
प्रिंटिंग
जॉब वर्क
न्यूज पेपर
पीडीएफ
संपर्क करें 7415685293 9589490996 9340553112
68/1 लक्ष्मीपुर विवेकानंद वार्ड, मुस्कान प्लाजा के पीछे, एम आर 4 रोड, उखरी, जबलपुर (मप्र)

भूमिहीन गरीब महिला को बहला फुसला कर महिला का प्रधानमंत्री आवास पालासुन्दर के नरेंद्र साहू के नाम बनवा दिया गया

घोटाले के शहर मंडला में एक और प्रधानमंत्री आवास योजना में बड़ा घोटाला

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। यू तो बैगा आदिवासी बहुल्य जिला में भ्रष्टाचार गबन और घोटाले का अंबार लगा हुआ है, जिनकी शिकायत होती भी है लोग अधिकारियों के सामने लिखित से लेकर मौखिक तक शिकायत करते है पर कोई न सुनने वाला है न ही देखने वाला है दिन व दिन सरकारी योजना जो ग्रामीणों को मिलने वाली मुलभूत सुविधाओं में घात लगाए बैठे भ्रस्टो ने किसी को नही छोड़ रहे हैं, चाहे वह गरीब या फिर माध्यम वर्ग के लोग और जिन्हें इन रोकने की जिम्मेदारी सौपी है वह चैन की वंशी बजा रहा हैं। शिकायत हुई तो पंचायत सचिव रोजगार सहायक और जनपद पंचायत के अधिकारी झूठा मढ़ने को तैयार, जिला प्रशासन और शासन को झूठी जानकारी देकर मामले को दबाया जा रहा, मंडला जिला प्रशासन और नेता कुछ भी कह ले और ऑनलाईन डेटा में सरकार को सब कुछ बराबर बतलादे पर इसकी जमी हकीकत जमी ही व्यया करती है जो जिले के जिम्मेदार जिला प्रशासन और सांसद विधायक मंत्री सब इस ओर देखना भी पंसद नही कर रहे है, और भ्रस्टो से गठबंधन कर भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने में उनके कंधे से कंधे मिलते नजर आ रहे हैं, केंद्र और प्रदेश सरकार लाख भ्रष्टाचार मुक्त भारत का निर्माण करना है चाहे। मगर भ्रष्टाचार की जड़ इतनी गहरी है। उसको कभी भी खत्म नहीं लिया जा सकता है। क्योंकि भ्रष्टाचार की इबारत ही अधिकारी लिखते हैं। अधिकारी इतने दबंग होते है। छोटी शिकायतों को तो घोरकर पी जाते है। डकार भी नहीं लेते है। वही वे किसी की परवाह नहीं करते है। क्योंकि झोला लेकर आते है। और सूटकेस भरकर ले जाते है। खैर जो भी हो जब पोल खुलना चालू होती है। तो अच्छे अच्छे अधिकारी भागते नजर आते है।अधिकारियों की एक धारणा बन चुकी है। की शिकायत होगी तो कोई कार्यवाही नहीं होगी।

क्या है मामला

नैनपुर विकासखंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत पालासुन्दर ग्राम पंचायत में प्रधानमंत्री आवास योजना (ढटअ) के अंतर्गत गंभीर अनियमितताओं का मामला सामने आया है। जिसमें ग्राम पंचायत पालासुंदर निवासी कमली बाई यादव (टढ4097159) का प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2021-22 में दिनांक 10/12/2022 को स्वीकृत हुआ था। हितग्राही कमली बाई यादव को आवास स्वीकृति उपरांत प्रथम किश्त रुपए 25000/- जारी तो हुई मगर आवास का निर्माण कमली बाई ना करके ग्राम पालासुंदर नरेंद्र साहू ने कर लिया। मजे की बात तो यह है। कमली बाई ग्राम भरवेली की स्थाई निवासी है। और ग्राम पंचायत पालासुंदर में कोई भी संपति नहीं है। तो फिर आधार में उसको आवास स्वीकृत किया गया जोकि आपने आप बड़ा मामला था। जब महिला के पास स्वयं की भूमि नहीं थी। महिला को क्यों आवास आवंटन किया जोकि जांच विषय और मुख्य बिंदु बनाता जा रहा है। वही ग्रामीणों ने आरोप लगाते रह गए है। कि पंचायत सचिव, रोजगार सहायक और पंचायत समन्वयक अधिकारी के द्वारा रिश्वत लेकर पात्र गरीब परिवारों को लाभ नहीं दिया जाता है। और ग्राम पंचायत पालासुंदर में ऐसे कई ऐसे आवास भी स्वीकृत किए गए हैं जो पहले से ही पक्के मकानों में रह रहे हैं। जिनकी उच्च स्तरीय जांच होना चाहिए अगर जांच होती है। आपने आप में भ्रष्ट्राचार का बड़ा मामला निकल कर आयेगा ।

पंचायत के आवास प्रभारी ग्राम पंचायत सचिव रोजगार सहायक और पीसीओ ने मिलकर किया घोटाला

ग्राम पंचायत पालासुंदर की जनता के बीच ग्राम पंचायत में फर्जी बिल फर्जी मजदूरी और अनेक मामले रटे हुए है। वही दबी जुबान में ग्रामवासी कहते भी है। की ग्राम पंचायत में ऐसे अनेक घोटाले है। अगर वो निकल कर आ गए तो भूचाल आ जाएगा खैर जो भी मगर जांच का विषय यह है। कि जब महिला के पास स्वयं की भूमि नहीं थी। तो उसका आवास क्यों स्वीकृत किया गया और किसके के लिये आवास निर्माण किया गया है। जब रेवांचल टाईम्स की टाइम ने गहराई से पड़ताल की तो पता चला कि जो महिला ग्राम पालासुंदर निवासरत है।उसका पालासुंदर में कोई भी स्थाई संपति नहीं है। ना ही राजस्व अभिलेख में कृषि भूमि ना ही स्वयं भूमि दर्ज नहीं है। और शासकीय भूमि पर एक छोटा सा घर बनाकर निवास करती है। जबकि मूल रूप उसका घर ग्राम पंचायत टाटरी के ग्राम भरवेली की रहने वाली है। और पंचायत सचिव और रोजगार इतने मेहरबान है। शादी शुदा महिला को विधवा पेंशन दे रहे है। जिससे साफ होता है। जनपद पंचायत नैनपुर के क्षेत्रीय समन्वय अधिकारी नर्मदा प्रसाद पटेल आवास प्रभारी गणेश साहू और सचिव बुधराम और रोजगार सहायक किस तरह से मेहरबान है। आपात्र होने के बाद भी शासन की योजना का लाभ दे रहे है। जबकि ग्राम पंचायत में ऐसे अनेक लोग है। जो पात्र होने के बाद भी योजना का लाभ नहीं दिया जा रहा है। और जानकारी के अनुसार पंचायत के जिम्मेदार अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा पात्र हितग्राहियों के स्थान पर अपात्र व्यक्तियों के नाम से आवास स्वीकृत किए गए हैं। जिसका खुलासा अगले अंक में होगा। इस मामले की शिकायतकर्ता ने जनपद पंचायत सीईओ और जिला पंचायत सीईओ सहित जिला प्रशासन को दी है। शिकायतकर्ता ने मांग की है कि दोषी अधिकारियों एवं कर्मचारियों पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत कड़ी कार्रवाई की जाए और सभी लाभार्थियों की सूची की पुनः जांच कराई जाए। वही ग्राम वासी भी चाहते है। कि इस प्रकार की गड़बड़ियों से प्रधानमंत्री की जनकल्याण कारी योजनाओं की साख पर आंच आती है। पूरे घोटाले की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए ताकि गरीबों को उनका हक मिल सके। क्या जिला पंचायत सीईओ और जिला प्रशासन आवास मामले के घोटाले में दोषी अधिकारी और कर्मचारियों पर कार्यवाही करेंगे, वही शिकायतकर्ता ने जिला प्रशासन और जिला पंचायत को पत्र के लिखकर शिकायत दर्ज करवाई है। मगर जनपद पंचायत के सीईओ विनोद मरावी भी इस प्रकरण को दबाने में लगे है। और शिकायत कर्ता पर झूठा और मनगढ़ंत आरोप लगा रहे है। वही दोषियों अधिकारियों और कर्मचारियों निलंबन व एफआईआर नहीं जाती है। तो आवेदक वरिष्ठ अधिकारी और न्यायालय में प्रकरण दर्ज करने के लिये मन बना चुका है। अब देखना है। की क्या जिला पंचायत के अधिकारी और जिला कलेक्टर मामले को कितनी गंभीरता से लेते है। एक बार फिर मामला दब कर रह जाता है।

इनका कहना है

मेरे द्वारा ग्राम पंचायत पालासुंदर में प्रधानमंत्री आवास में घोटाले की लिखित शिकायत जिला प्रशासन और सीएम हेल्पलाइन में दर्ज की गई मगर जनपद पंचायत के अधिकारी कार्यवाही करने बजाय शिकायकर्ता पर झूठा आरोप लगा रहे है।

सुजीत कुमार प्रजापति नैनपुर

प्रशासन सुस्त रवैया के चलते अधर में लटके विकास कार्य, सांसद तक पहुंची बात

रेवाँचल टाईम्स , मंडला। जिले की जनपद पंचायत नारायणगंज के अंतर्गत ग्राम पंचायत पंडरिया में आए दिनों बहुत से निर्माण कार्य स्वीकृत होते हैं जिसमें कुछ राजनीतिक दबाव के चलते जल्द पूर्ण हो जाते हैं एवं कुछ लटकें रह जाते हैं हम बात कर रहे हैं, वार्ड क्रमांक 16 के समाने वाले नाले की, जो कि सीएम हेल्पलाइन की शिकायत के चलते स्वीकृत हुआ परन्तु 1 महीने से अधिक समय बीत जाने के बाद भी अभी तक निमार्ण कार्य प्रारंभ नहीं किया जा सका जिसके चलते पूरे वार्ड के रहवासियों में रोष का माहौल व्याप्त है ।

शिकायतकर्ता को दी जा रही सिर्फ तारीख पर तारीख

वही सीएम हेल्पलाइन पर हुई शिकायत करने वाले व्यक्ति को पंचायत के कर्मचारियों द्वारा एक महीने से सिर्फ तारीख पर तारीख दी जा रही है दबाव बना कर शिकायतकर्ता की शिकायत बंद करा कर पंचायत कर्मचारियों द्वारा निर्माण कार्य को टाला जा रहा है।

खुले नाले के कारण मच रही गंदगी, सूअरों का बना डेरा- सड़क किनारे बना खुला नाला गंदगी फैला रहा है सड़क से रोजाना बस छोटे वाहन एवं स्कूली बच्चों का आना जाना बना रहता है नाला खुला होने के कारण यहां सूअरों का डेरा बन गया है जो की नाले की गंदगी को सड़क पर फैला देते हैं जिसके कारण राहगीरों का सड़क से निकलना मुश्किल हो जाता है परंतु प्रशासन अभी भी गहरी नींद में सो रहा है।

शिकायतकर्ता ने सांसद तक पहुंचाई शिकायत, फिर भी प्रशासन सुस्त- सूरज सोनी

शिकायतकर्ता द्वारा मंडला जिले के सांसद को भी दूरभाष द्वारा अपनी परेशानी की जानकारी दी गई जिसपर सांसद द्वारा कर्मचारियों को निर्देश भी दिया गया कार्य पूर्ण करने हेतु परंतु अभी भी पंचायत प्रशासन सुस्त अवस्था में है।

आदिवासी महिला की मौत, पंचायत पेसा मोबिलाईजर

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। जिले में म.प्र. पंचायत पेसा मोबिलाईजरो को विगत 7 माह से मानदेय नहीं मिलने के वजह से आर्थिक तंगी के कारण इलाज नहीं करा सकी जिस कारण पंचायत पेसा मोबिलाईजर कर्मचारी आदिवासी महिला की मौत पेसा मोबिलाइजर कर्मचारी संघ ब्लॉक शहपुरा जिला डिंडोरी के सक्रिय मोबिलाईजर साथी देवकी सैयाम ग्राम पंचायत भिलाई माल हमारे बीच नहीं है, विगत 7 माह से अल्प मानदेय वह भी ?4000 माह न मिलने के कारण इलाज नहीं करवा पाई, जिस कारण से मौत हो गई, शासन प्रशासन से हमारी मांग है की परिवार को संबल प्रदान करते हुए आर्थिक सहयोग करने का कष्ट करें, पेसा मोबिलाईजर संघ जिला डिंडोरी द्वारा संघ की ओर से परिवार वालो के सांथ देवांगत आत्मा की शांति के लिए श्रद्धांजलि दिया गया, एवं संघ की ओर उनके पिता जी व परिवारजनो को कुछ आर्थिक सहयोग प्रदान किया गया।??पूरे म. प्र. 20 जिला पेसा एक्ट अनुसूचित जनजाति क्षेत्र में कार्यरत सभी ग्राम पंचायत में पेसा मोबीलाईजर के पद में पदस्थ हैं। जो कि विगत 7 माह से मानदेय प्राप्त नहीं हुआ है जिससे परिवार की आर्थिक स्थिति डगमगा गई है शासन की सभी योजनाओं का क्रियान्वयन जमीन स्तर से कर रहे हैं पेसा एक्ट को गांव गांव लोगों तक जानकारी शासन के सभी योजनाओं के काम में सहयोग प्रदान कर रहे हैं पर भी विगत 7 माह से मानदेय नहीं मिलने की वजह से सभी की आर्थिक स्थिति डगमगा गई। सब से कम अल्प मानदेय 4000/ रु. प्रतिमाह मिलता है फिर भी 4000/ हर माह प्राप्त नहीं हो रहा हैं। सभी पेसा मोबिलाईजरों की स्थिति बहुत ज्यादा खराब हो गया है आर्थिक स्थिति तंगी हो गए हैं किराने से लेकर सब जगह की उधारी वाले भी परेशान करना चालू कर दिए है।

जिस से आर्थिक स्थिति बहुत ही खराब हो गया।
पंचायत पेसा मोबिलाईजर कर्मचारी संघ म. प्र.।

जिला लोधी क्षत्रीय समाज करेगा

वृध्द कृषक ने सामाजिक भवन के लिए दिया 2 लाख 51 हजार का दान

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। जिले में इस समय चारों तरफ से पैसा कमाने के लिए लोग गलत को सहीं और सहीं को गलत कर कमीशन लेने में लगे हुए हैं। कुछ दवा में जहर मिलाकर तो कुछ लोग बच्चों के पोषण आहार व शैक्षणिक सामग्री में डॉका डाल रहे हैं कई तो नोटों के बिस्तर में सो रहे हैं। हर रोज कोई न कोई घोटाले की खबर सामने आती है। इस बिगडी फिजा के बीच यदि कोई व्यक्ति देश व समाज के लिए समर्पित है तो वह हमारे लिए प्रेरणास्त्रोत है हम बात कर रहे हैं ग्राम ग्वारा के निवासी 80 वर्षीय कृषक चिरौंजी लाल जंघेला जिनका पुत्र संजय जंघेला जम्मू काश्मीर आर्मी में कार्यरत होकर देश की रक्षा के लिए तैनात है तो वहीं पिता चिरौंजी लाल जंघेला वृध्दु व कृषक होते हुए भी सामाजिक गतिविधियों में अपनी अग्रणी भूमिका अदा करते हुए महाराजपुर स्थित संगम घाट में लोधी समाज के निमार्णाधीन भवन के लिए पिछले दिनों 2 लाख 51 हजार 1 सौ 11 रुपए का दान दिया गया जो अनुकरणीय है।

जिला लोधी क्षत्रीय समाज द्वारा श्री जंघेला का धन्यवाद ज्ञापित किया गया। समाज के जिला अध्यक्ष कन्हैया ठाकुर ने बताया कि शीघ्र ही आगामी आयोजित होने वाले गरिमामयी कार्यक्रम में ऐंसे प्रेरणात्मक व्यक्तियों का सम्मान किया जायेगा।

छिंदवाड़ा में सिरप पीने से हुई बच्चों की मौत पर कांग्रेस ने निकाला कैंडल मार्च, दी श्रद्धांजलि

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। छिंदवाड़ा जिले में जहरीला सिरप पीने से 14 बच्चों की दर्दनाक मृत्यु और कई की स्थिति गंभीर होने की घटना ने पूरे प्रदेश को झकझोर कर रख दिया है। यह घटना सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की लापरवाही का गंभीर उदाहरण है। आज ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मंडला के द्वारा पादरी पटपरा में कैंडल मार्च निकाला गया। इस दौरान मृत बच्चों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई तथा 1 मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई।ब्लॉक कांग्रेस ने इस घटना के लिए जिम्मेदार अधिकारियों पर कठोर कार्रवाई की माँग की और सरकार से पीड़ित परिवारों को उचित मुआवजा देने की अपील की। इस कार्यक्रम उपस्थित रहे वरिष्ठ कार्यकर्ता श्री रवि जगदीश जनपद अध्यक्ष सोनू भलावी, जगदीश कुर्राम सतीष झारिया महेंद्र चन्द्रोल गणेश पटेल सुरेश यादव मनोज सुरेशवर मनोज कुडापे राधे श्याम रघुवंशी संतोष पर्ते अशोक नरेश शिवचरण कूड़ापे रामानंद मरावी ,मनोज मर्को राजेश यादव, संतोष सोनवानी केशव बैरागी। बैरागी देवीलाल पुत्तन हीरालाल उइके पारो वर्कड़े,उमा यादव,पूनम बैरागी।

लंबे समय से फरार दो स्थाई वारंटी को थाना बिछिया क्षेत्र से किया गिरफ्तार

महाराजपुर पुलिस द्वारा लगातार जारी स्थाई वारंटीयों की गिरफ्तारी

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। जिले के पुलिस अधीक्षक मंडला द्वारा जिले के फरार चल रहे आरोपियों को गिरफ्तार करने हेतु सभी थाना / चौकी प्रभारी को विशेष निर्देश दिए गए हैं , इसी तारतम्य में थाना महाराजपुर थाना प्रभारी द्वारा SDO(P) मंडला के निर्देशन पर कार्य करते हुए स्थाई वारंटीयो की गिरफ्तारी हेतु लगातार कोबिंग गस्त करते हुए अथक प्रयास किया जा रहे हैं आज दिनांक 11:10.2025 को महाराजपुर पुलिस द्वारा माननीय न्यायालय श्रीमती भावना जाटवा न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी मंडल के प्रकरण क्रमांक 283/18 अपराध क्रमांक 119/18 धारा 279 337 338 आईपीसी मे आरोपी इरफान खान पिता हनन खान उम्र 35 वर्ष निवासी बिछिया जिला मंडला एवं मान.शालू सीहोर न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी जिला मंडला के प्रकरण क्रमांक 344/ 20 अपराध क्रमांक 242/20 धारा 294, 323, 506,325, 34 Ipc के आरोपी शिवसिंह उर्फ सेव सिंह पिता वीर सिंह पट्टा उम्र 29 साल निवासी खुलवा थाना बिछिया को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है महाराजपुर पुलिस द्वारा माह सितंबर से आज दिनांक 11-10-2025 तक में कुल 13 लंबे समय से फरार आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल दाखिल किया गया है वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में आगे भी इसी प्रकार की कार्यवाही लगातार जारी रहेगी, आज कार्यवाही में थाना प्रभारी महाराजपुर डॉ जयसिंह यादव के निर्देशन में प्रधान आरक्षक विजय तेकाम, आरक्षक 229 अरविंद बर्मन, 226 संदीप एवं थाना महाराजपुर के अन्य स्टाफ की विशेष भूमिका रही।

राष्ट्रीय पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान आज से

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। भारत शासन स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा वर्ष 2025 में राष्ट्रीय पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान का एक अतिरिक्त चरण 18 चयनित जिलों के साथ-साथ मण्डला जिले में 12 से 14 अक्टूबर 2025 तक आयोजित किया जा रहा है। प्रथम दिवस पोलियो रविवार 12 अक्टूबर को बूथ स्थापित कर, ह्लदो बूँद जिंदगी कीह्न खुराक 0-5 साल के सभी बच्चों को प्रातः 8 बजे से सायं 5 बजे तक पिलाई जायेगी। दूसरे एवं तीसरे दिन कार्ययोजना अनुसार टीमें घर-घर भ्रमण कर छूटे हुये बच्चों को आच्छादित करेंगी। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. वाई.के. झारिया ने जानकारी दी कि पल्स पोलियो अभियान के लिये जिले में समस्त आवश्यक तैयारियां कर ली गई है। अभियान अंतर्गत राज्य द्वारा जिले में कुल 1 लाख 52 हजार 75 बच्चों का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

मानसिक रूप से कमजोर युवती से किया था रेप

रेप के आरोपी को 20 साल का कारावास

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। मंडला के निवास स्थित अपर सत्र न्यायालय ने मानसिक रूप से कमजोर युवती से रेप के एक मामले में आरोपी सोनू उर्फ संजय झारिया को 20 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। आरोपी पीड़िता का रिश्तेदार है और ग्राम मनेरी, थाना बीजाडांडी का निवासी है। सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी निवास, उज्वला उईके ने बताया कि यह घटना 25 सितंबर 2024 को हुई थी। पीड़िता की मां ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसकी बेटी (20) के पेट में सूजन दिखने पर पूछताछ की गई।

आरोपी टॉफी देने के बहाने घर पर किया था रेप

पूछताछ के दौरान युवती ने बताया कि जब वह दूध लेने स्टैंड जा रही थी, तब आरोपी सोनू ने उसे टॉफी देने के बहाने अपने घर बुलाया। आरोपी ने कहा कि घर पर कोई नहीं है और फिर जबरन कमरे में ले जाकर उसके साथ रेप किया। कुछ महीनों बाद जबलपुर के रांझी अस्पताल में सोनोग्राफी कराने पर युवती चार माह की गर्भवती पाई गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर विवेचना पूरी की और प्रकरण को न्यायालय में प्रस्तुत किया। न्यायालय ने अभियोजन पक्ष के साक्ष्य और तर्कों के आधार पर आरोपी को दोषी ठहराया। आरोपी को भारतीय दंड संहिता की धारा 376 और दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम की धारा 92 के तहत कुल 10 हजार रुपए के अर्थदंड सहित 20 साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई गई। यह मामला पुलिस अधीक्षक मंडला की ओर से चिह्नित जघन्य और सनसनीखेज प्रकरणों की श्रेणी में शामिल था। शासन की ओर से इस मामले में सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी, निवास, उज्वला उईके ने प्रभावी पैरवी की।

बजरंग दल की पहल से आवारा पशुओं को मिला सुरक्षा कवच दुर्घटनाओं में आएगी कमी

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। पवित्र नगरी अमरकंटक में बजरंग दल द्वारा एक सराहनीय सामाजिक अभियान की शुरूआत की गई है। नगर में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं और आवारा पशुओं की असुरक्षा को देखते हुए दल के कार्यकताओं ने सड़कों पर घूमने वाले मवेशियों के गले में चमकदार रेडियम पट्टियाँ बाँधने का अभियान आरंभ किया है। इस पहल का उद्देश्य है – रात के अंधेरे में भी पशु स्पष्ट दिखाई दें और वाहन चालकों को समय रहते सावधानी बरतने का अवसर मिले। बजरंग दल के नगर प्रमुख अंकुश द्विवेदी ने बताया कि हम हर रात नगर की गलियों और मार्गों पर घूमकर आवारा पशुओं के गले में यह ह्यसुरक्षा कवचह्न बाँध रहे हैं। हमारा उद्देश्य न केवल पशुओं की रक्षा करना है, बल्कि वाहन चालकों को भी सतर्क बनाना है ताकि किसी की जान पर बन न आए। दल के कार्यकताओं ने बीती रात भी अभियान चलाकर अनेक गायों, बैलों और बछड़ों के गले में रेडियम पट्टियाँ बाँधीं। इस दौरान स्थानीय नागरिकों ने भी दल के साथ सहयोग किया और अभियान को जन-आंदोलन का रूप देने का संकल्प लिया। नगर के जनप्रतिनिधियों एवं सामाजिक कार्यकताओं ने बजरंग दल की इस पहल को मानवता और संवेदनशीलता की मिसाल बताया। उन्होंने कहा कि यह प्रयास न केवल दुर्घटनाओं में कमी लाएगा, बल्कि लावारिस पशुओं की रक्षा में भी महत्वपूर्ण योगदान देगा। यह प्रयास अत्यंत प्रशंसनीय है। सड़क पर चलने वाले वाहन चालक अब इन पशुओं को दूर से ही पहचान सकेंगे और दुर्घटनाओं से बचाव संभव होगा, ऐसा स्थानीय नागरिकों ने कहा। अमरकंटक जैसे तीर्थस्थल में जहाँ प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु एवं पर्यटक आते हैं, वहाँ यह अभियान सड़क सुरक्षा के साथ करुणा का संदेश भी दे रहा है। बजरंग दल की यह पहल साबित करती है कि सामाजिक जागरूकता और सामूहिक प्रयास से हर समस्या का समाधान संभव है चाहे वह सड़क दुर्घटना हो या लावारिस पशुओं की पीड़ा।

भाजपा नेता अनिल नेता के नप अध्यक्ष पुत्र के बस ने बाइक सवार टीचर को कुचला

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनुपपुर। जिले के जैतहरी बस स्टैंड के पास बीजेपी नेता की बस ने बाइक सवार टीचर धीरेंद्र सिंह को टक्कर मार दी, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए बिलासपुर रेफर किया गया है। धीरेंद्र सिंह लहरपुर स्कूल में शिक्षक के पद पर कार्यरत हैं। वे अपनी बाइक से दोपहर में जैतहरी अपने घर से स्कूल जा रहे थे, तभी जय श्रीराम ट्रेवल्स की बस (क्रमांक MP18P0787) जो भाजपा नेता अनिल गुप्ता के पुत्र जो वर्तमान में नगर परिषद के अध्यक्ष पद विराजमान है उनके नाम रजिस्टर्ड है, उसके चपेट में आ गए। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, यह दुर्घटना बस चालक की लापरवाही के कारण हुई। धीरेंद्र सिंह को हाथ और शरीर के अन्य हिस्सों में चोटें आई हैं। बताया जा रहा है कि यह बस भाजपा जैतहरी नगर परिषद अध्यक्ष उमंग गुप्ता के नाम पर पंजीकृत है। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों ने घायल धीरेंद्र सिंह को बिलासपुर पहुंचाया। जहाँ अस्पताल पर उनका इलाज चल रहा है। जैतहरी पुलिस ने केस दर्ज कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

ब्रेक बाइंडिंग के कारण मेमू ट्रेन मे उठा धुआं, यात्रियों मे मची अफरा-तफरी

दैनिक रेवांचल टाइम्स उमरिया। जिले के बिरसिंहपुर पाली बिलासपुर से कटनी जा रही मेमू ट्रेन (क्रमांक 68748) में उस समय हड़कंप मच गया जब जिले के पाली रेलवे स्टेशन से करीब तीन किलोमीटर आगे एक बोगी के नीचे से घना धुआं उठने लगा। धुआं देख यात्री घबरा गए और ट्रेन से उतरकर ट्रैक से दूर चले गए। इससे पहले भी घुनघुटी स्टेशन पर ट्रेन के एक हिस्से से हल्का धुआं उठता देखा गया था, लेकिन जांच में कोई गंभीर गड़बड़ी नहीं पाई गई थी। पाली स्टेशन पर ट्रेन करीब एक घंटे की देरी से पहुंची और वहां से रवाना होने के कुछ ही मिनट बाद यह घटना हुई। सूचना मिलते ही लोको पायलट ने ट्रेन रोकी और रेलवे कर्मियों ने तत्काल जांच कर स्थिति पर नियंत्रण पाया। आरपीएफ ने बताया कि यह ब्रेक बाइंडिंग नामक सामान्य तकनीकी समस्या थी, जिससे ब्रेक शू पहियों से चिपक जाते हैं और घर्षण से धुआं उठता है। रेलवे की तत्परता से कोई जनहानि नहीं हुई और ट्रेन को कुछ देर बाद सुरक्षित रवाना कर दिया गया। यात्रियों ने राहत की सांस ली और रेलवे की त्वरित कार्रवाई की सराहना की।

पॉविडोन आयोडीन सॉल्यूशन से झुलस रही थीं गर्भवती महिलाएं, दो बैच के उपयोग पूरी तरह से प्रतिबंध

मेडिकल कॉलेज में बड़ा खुलासा

दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। बिरसा मुंडा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय (मेडिकल कॉलेज) शहडोल में लापरवाही का एक गंभीर मामला सामने आया है। प्रसूति वार्ड में प्रसव के पहले इस्तेमाल की जा रही दवा ह्यपॉविडोन आयोडीन सॉल्यूशनह्न लगाने के बाद गर्भवती महिलाओं की त्वचा झुलसने और छाले पड़ने की शिकायतें लगातार मिल रही थीं। मामला गंभीर होता देख मेडिकल कॉलेज प्रबंधन ने इस दवा के दो बैच (ए24/0009अ व ए24/0044अ) के उपयोग पर तत्काल प्रभाव से पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है।

मेडिकल कॉलेज प्रशासन ने आदेश जारी कर स्पष्ट किया है कि इन दोनों बैचों की दवाओं को तुरंत स्टोर में जमा कराया जाए और किसी भी हालत में उपयोग न किया जाए। यह कदम उन शिकायतों के बाद उठाया गया, जिनमें प्रसूति वार्ड में भर्ती महिलाओं की स्किन दवा लगाने के तुरंत बाद जलने लगी थी। बताया गया कि इस सर्जिकल सॉल्यूशन का उपयोग ऑपरेशन से पहले त्वचा साफ करने के लिए किया जाता है, लेकिन इसके उपयोग के बाद कई मरीजों की त्वचा पर जलन, लालपन और फफोले बनने लगे। जैसे-जैसे मामले बढ़ते गए, शहडोल से लेकर भोपाल तक स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया। कॉलेज प्रशासन ने तुरंत सभी बैचों की जांच शुरू की और संदिग्ध बैचों की सप्लाई रोक दी। स्वास्थ्य विभाग ने इन दोनों बैचों को संदिग्ध घोषित करते हुए दवा सप्लाई कंपनी से जवाब तलब किया है। गंभीर शिकायतों के बाद कलेक्टर केदार सिंह ने मेडिकल कॉलेज का आकस्मिक निरीक्षण किया। उन्होंने प्रसूति वार्ड का दौरा कर मरीजों से सीधे बात की और उनकी स्थिति की जानकारी ली।

हिंदुओं दिखाई दी एकता, वही एकता के बीच में कुछ राजनीतिक लोगों ने अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकने का किया प्रयास

दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। जहां शहडोल में हिंदुओं की एकता दिखाई दी वही एकता के बीच में कुछ राजनीतिक लोगों ने अपनी राजनीतिक रोटियां भी सेंकने का प्रयास किया। सत्ता धारी दल के जिले की तीनों विधानसभाओं के मुखिया विधायक जय सिंह मरावी, मनीषा सिंह, शरद कोल, हिंदू संगठनों और सर्व हिंदू समाज के द्वारा आव्हान किए गए विरोध प्रदर्शन में अभिभावक के रूप में नजर आए, एक आम जन के स्वरूप में तीनों विधायकों ने और हिंदू वादी संगठन के प्रमुखों ने अपनी जवाबदेही पूर्ण निष्ठा से निभाई और अन्य में सत्ता धारी दल के विशेष प्रतिनिधि के रूप में उपस्थित जयसिंहनगर शहडोल विधायक एवं

भाजपा प्रदेश मंत्री मनीषा सिंह ने सख्त लहजे में जिला प्रशासन शहडोल को चेता दिया की जिला प्रशासन की तानाशाही और पीड़ित हिंदू समाज पर ही कार्यवाही निंदनीय हैं और बर्दाश्त करने के योग्य नहीं है। मनीषा सिंह जय सिंह मरावी और शरद कोल ने जनभावनाओं का आदर और सम्मान किया वही इसके विपरीत पूर्व जिलाध्यक्ष अपनी शेखी बघारते नजर आए। जहां विरोध प्रदर्शन में जब हिंदू अस्मिता को ठेस पहुंचाने के खिलाफ सकल हिंदू समाज एक होकर प्रदर्शन कर रहा था और मांग कर रहा था तेज स्वर में की एसपी शहडोल हटाओ शहडोल बचाओ थाना प्रभारी बुढार हटाओ बुढार बचाओ चौकी केशवाही प्रभारी हटाओ केशवाही बचाओ ठीक उसी समय कमल प्रताप सिंह ने यह बयान दे डाला की हमारी प्रशासन से कोई मांग नही है, आखिर आपकी मांग प्रशासन से क्यों नहीं है पूछता हैं शहडोल। क्या हिंदुओं पर हुई पुलिस की बर्बरता को पूर्व जिला अध्यक्ष जायज ठहराना चाह रहे हैं। क्या हिंदू अस्मिता की बात महज राजनीति में स्वार्थ की रोटी सेंकने के काम आती है। क्या हिंदू समाज की भावना को मजाक समझा गया क्या, पूर्व जिलाध्यक्ष शांति प्रिय जिला शहडोल में हिंदू समाज को भी उग्र होने की प्रेरणा दे रहें है। चूंकि हिंदू समाज ने हमेशा विधि अनुरूप तर्कसंगत कार्यवाही के लिए शासन प्रशासन का दरवाजा खटखटाया है क्या हिंदू समाज भी अपनी बात को उग्रता से रखें यह चाहते हैं पूर्व जिलाध्यक्ष। आखिर क्यों जब हजारों की संख्या में सकल हिंदू समाज हिंदू हित की बात कर रहा था और प्रशासन को कड़ी चेतावनी दे रहा था, तब कमल प्रताप सिंह का यह बयान क्या हिंदू संगठनों और सकल हिंदू समाज के मनोबल को गिराने वाला नही था।

स्वच्छता ब्रांड एम्बेसडर उपाधि के दुरुपयोग पर नोटिस जारी

दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। नगर पालिका शहडोल का बड़ा निर्देश जारी करते हुए कहा कि निजी वाहनों से हटानी होगी ह्लस्वच्छता ब्रांड एम्बेसडर प्लेट नगर पालिका ने स्वच्छता ब्रांड एम्बेसडर उपाधि के दुरुपयोग पर दिखाई सख्ती। पत्र क्रमांक 8319/ स्वच्छता/ न.पा.श./ 2025 के तहत निर्देश जारी किया। मुख्य नगर पालिका अधिकारी अक्षत बुंदेला ने जारी किया आदेश। निजी वाहन मालिक ऋतुराज गुप्ता (वार्ड 12, शहडोल) को नोटिस जारी किया, उनके वाहन क्रमांक टढ 18`ए 7008 की नंबर प्लेट पर ह्लस्वच्छता ब्रांड एम्बेसडरह्व लिखा पाया गया। नगर पालिका ने कहा ह्लयह कोई पद नहीं, बल्कि प्रेरणात्मक उपाधि है। निजी वाहन पर इसे लिखना नगर पालिका की छवि को प्रभावित करता है। आदेश में कहा गया कि वाहन स्वामी आरटीओ नियमों के अनुसार नंबर प्लेट लगाएँ। उल्लंघन की स्थिति में यातायात थाना और आरटीओ विभाग से कार्रवाई की चेतावनी दी हैं। अब नगर पालिका का यह आदेश सभी के लिए सख्त संदेश है की कोई भी नियमों से ऊपर नहीं।

कबाड़ से भरा पीकप को पुलिस ने जब्त कर की कार्यवाही

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। जिले की बिजुरी पुलिस ने करीब एक टन कबाड़ और एक पिकअप वाहन जब्त किया है। कबाड़ और जब्त वाहन की कीमत 3.28 लाख बताई गई है। पुलिस ने शुक्रवार को केस दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। पुलिस को लोहसरा रोड पर जाफर ट्रेडर्स के पास एक पिकअप वाहन (CG16A1706) पलटा हुआ मिला था। यह दुर्घटना 8 अक्टूबर को हुई थी, जिसमें लोहे का कबाड़ सड़क पर बिखर गया था। जांच के दौरान, पुलिस को वाहन में लोहे का स्क्रैप कबाड़ मिला। वाहन चालक ने अपना नाम विजय कुमार सोनी (45 वर्ष, निवासी भालुगुडार) बताया, जबकि वाहन का मालिक आशीष कुशवाहा है। पुलिस ने वाहन मालिक आशीष कुशवाहा को मौके पर बुलाया और धारा 94 बीएनएसएस के तहत नोटिस देकर कबाड़ से जुड़े दस्तावेज मांगे। मालिक कोई भी वैध दस्तावेज या बिल प्रस्तुत नहीं कर पाए। इसके बाद, पुलिस ने चोरी की संपत्ति होने की आशंका में पिकअप वाहन और उसमें लदे कबाड़ को जब्त कर लिया।

औषधि विभाग ने मेडिकल स्टोर्स पर औचक निरीक्षण, पांच कफ सिरप के सैंपल जांच के लिए भोपाल भेजे

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनुपपुर। राजस्थान और मध्य प्रदेश में बच्चों की मौत के मामलों के बाद, अनूपपुर जिले में औषधि विभाग ने मेडिकल स्टोर्स पर औचक निरीक्षण किया। कलेक्टर के आदेश और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के निर्देशन में यह कार्रवाई की गई। इस दौरान पांच कफ सिरप के सैंपल जांच के लिए भोपाल भेजे गए हैं। औषधि निरीक्षक प्रमोद कुमार कुलेश ने अनूपपुर जिला मुख्यालय स्थित नर्मदा मेडिकोज, कृष्णा मेडिकल स्टोर और बसंत मेडिकल एंड जनरल स्टोर का निरीक्षण किया। उन्होंने लाइसेंस की वैधता, पंजीकृत फार्मासिस्ट की उपस्थिति, शेड्यूल-एच1 और एनआरएक्स दवाओं के क्रय-विक्रय रजिस्टर, तथा प्रतिबंधित व नशीली दवाओं के रिकॉर्ड सहित अन्य आवश्यक

दस्तावेजों की जांच की। निरीक्षण के दौरान, औषधि निरीक्षक प्रमोद कुमार कुलेश ने महेंद्र मेडिकल एंड जनरल स्टोर, बालाजी मेडिकल स्टोर, आर के मेडिकल एजेंसी और बसंत मेडिकल एंड जनरल स्टोर से पांच दवाइयों के नमूने एकत्र किए। इन सभी नमूनों को जांच के लिए राज्य प्रयोगशाला भोपाल भेजा गया है। ड्रग इंस्पेक्टर प्रमोद कुमार कुलेश ने बताया कि रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी। यदि किसी भी दवा में गुणवत्ता संबंधी कमी पाई जाती है, तो नियमानुसार दोषियों पर सख्त प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने स्पष्ट किया है कि पाई गई कमियों के संबंध में कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। विभाग की इस कार्रवाई से मेडिकल स्टोर्स संचालकों में हड़कंप मच गया है। औषधि निरीक्षक ने सभी मेडिकल संचालकों को ड्रग एक्ट के नियमों का कड़ाई से पालन करने की चेतावनी दी है। साथ ही, यह भी निर्देश दिए गए हैं कि छोटे बच्चों को कफ-कोल्ड की कोई भी दवाई या सिरप बिना डॉक्टर के प्रिस्क्रिप्शन और बिना बिल के न दी जाए।

संपादकीय

सरकारी नौकरी का प्रण

राजद नेता तेजस्वी यादव ने ऐसा चुनावी दांव खेला है, जो अभी तक किसी भी दल और नेता ने नहीं खेला। तेजस्वी इसे चुनावी जुमला नहीं, बल्कि प्रण मान रहे हैं। उन्होंने 2020 के चुनाव की तरह इस बार भी बेरोजगारी को प्रमुख मुद्दा बनाने की कोशिश की है। तब वह 17 माह तक उपमुख्यमंत्री के पद पर रहे थे। राजद के नेता और प्रवक्ता दावे करते रहे हैं कि तब तेजस्वी ने 5 लाख नौकरियां दीं। ऐसा कोई सरकारी डाटा उपलब्ध नहीं है। हालांकि करीब 1.5 लाख नौकरियां देने का ब्योरा सरकारी रिकॉर्ड में है, लेकिन तब भी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ही थे। उनकी पार्टी भी इन नौकरियों का ढोल बजा रही है, जो गलत नहीं है। बहरहाल अब तेजस्वी का प्रण है कि बिहार में उनकी सरकार बनी, तो 20 दिन में ही एक अधिनियम पारित कराया जाएगा और उसके 20 महीने के भीतर हर घर में एक सरकारी नौकरी सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने दावा किया है कि अध्ययन किया जा चुका है। बिहार में घर-घर सरकारी नौकरी देना संभव है, लेकिन हम ऐसा नहीं मानते, क्योंकि तेजस्वी ने अध्ययन का कोई भी आधार सार्वजनिक नहीं किया है। उसके अलावा, कुछ बुनियादी और अहम सवाल भी हैं। बिहार में 2.76 करोड़ परिवार हैं। कुछ 3 या 3.50 करोड़ परिवारों की बात कर रहे हैं, लेकिन सरकारी रिकॉर्ड में 2.76 करोड़ से कुछ अधिक परिवार दर्ज हैं। माना जा सकता है कि कई परिवारों में पहले से ही सरकारी नौकरी वाले सदस्य होंगे। फिर भी मोटा अनुमान है कि कमोबेश 2 करोड़ नौकरियों का सृजन करना होगा, तभी संभावित तेजस्वी सरकार का प्रण पूरा किया जा सकता है। ऐसा करना हमें तो अवास्तविक, बल्कि असंभव लगता है। दरअसल बिहार सरकार में 46 विभाग हैं, जिनमें 10 प्रशासनिक विभाग हैं। शेष कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, जल आदि के विभाग हैं। राज्य में करीब 14 लाख नौकरियां हैं और 4 लाख से ज्यादा नौकरियां रिक्त पड़ी हैं। बिहार में मात्र 1.57 फीसदी लोगों को ही सरकारी नौकरी नसीब है। राज्य की मात्र 4.92 फीसदी आबादी को कोई न कोई रोजगार उपलब्ध है। लिहाजा व्यापक स्तर पर लोग पलायन करते हैं। उनमें से अधिकांश बिहारी बड़े शहरों में रिक्शा, ई-ऑटो चलाते हैं और दिहाड़ीदार मजदूरी करते हैं। उनकी महिलाएं घरों में झाड़ू-पोंछा करती हैं। कुछ अच्छी रसोइया भी हैं, लिहाजा खाना बनाने का काम मिल जाता है। पहला सवाल तो यही है कि सरकारों ने 4 लाख से अधिक नौकरियों को अभी तक क्यों नहीं भरा? दूसरा सवाल यह है कि तेजस्वी 10-15 गुना नौकरियां कहां से पैदा करेंगे? उनके बजटीय संसाधन कैसे तय किए जाएंगे? केंद्र सरकार की नौकरियों पर तो तेजस्वी भर्तियां नहीं कर सकते। राज्य के मौजूदा विभागों के वर्गीकरण और विस्तार कितने संभव हैं? इन तमाम सवालों के मद्देनजर तेजस्वी ने किसी भी फॉमूर्ले का खुलासा नहीं किया है। इसके अलावा, बिहार की आर्थिक स्थिति तो शाश्वत है। तेजस्वी आर्थिक न्याय तभी मुहैया करा सकेंगे, जब आर्थिक संसाधन सरकार के पास होंगे। नए संसाधन, नए उद्योग-कारखाने कहां से आएंगे और बजट भी 3.16 लाख करोड़ रुपए का है। उसे एकदम 4 लाख करोड़ रुपए का नहीं किया जा सकता। बिहार पर कर्ज बढ़ कर अब 4.10 लाख करोड़ रुपए हो गया है, लिहाजा प्रत्येक बिहारी कर्जदार है। सबसे चुनौतीपूर्ण स्थिति यह है कि राज्य में 33.7 फीसदी बेरोजगार ऐसे हैं, जो कमोबेश स्नातक हैं। उन्हें यथाशीघ्र नौकरी चाहिए। इस बार 14 लाख नए मतदाता भी जुड़े हैं, जो पहली बार वोट देंगे। जाहिर है कि उनकी उम्र भी नौकरी के लिए पात्र हो गई है। दूसरी तरफ सत्तारूढ़ गठबंधन की सरकार ने आगामी 5 साल में, यानी 2030 तक, 1 करोड़ नौकरी/रोजगार उपलब्ध कराने का लक्ष्य घोषित किया है। उनकी 10,000 रुपए वाली योजना चुनाव में गेमचेंजर साबित हो सकती है।

केवल लचीलापन ही नहीं, अर्थव्यवस्था के स्थिर बढ़ोतरी के लिए कड़े सुधारों की जरूरत

दिल्ली में आयोजित कौटिल्य इकनॉमिक कॉन्क्लेव में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वैश्विक उथल-पुथल के बीच भारत की अर्थव्यवस्था द्वारा हासिल जबरदस्त लचीलेपन का उल्लेख किया। यह लचीलापन घरेलू उपभोग पर आधारित आर्थिक वृद्धि को मजबूती से स्थापित करके हासिल किया गया है। उनकी इस बात को भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर ने भी दोहराया। उन्होंने कहा कि देश ने एक मजबूत और संतुलित विकास अर्जित किया है जो सभी बाधाओं से निपटते हुए अस्थिर वैश्विक माहौल में स्थिरता प्रदान कर रहा है। निश्चित तौर पर ये वक्तव्य काफी भरोसा पैदा करते हैं, खासतौर पर वैश्विक संघर्षों और ट्रंप द्वारा थोपे गए शुल्कों के कारण बाहरी मोर्चे पर व्याप्त अनिश्चितता के इस दौर में। बहरहाल, हमें हकीकत की पड़ताल करने की आवश्यकता है। केवल घरेलू खपत के आधार पर वृद्धि में तेजी हासिल करने और विकसित देश का दर्जा हासिल करने की हमारी सोच सही नहीं है। विकास के इस तरीके को आगे ले जाने के बजाय आवश्यकता यह है कि हम मौजूदा हालात की चुनौतियों को एक अवसर के रूप में लें और अर्थव्यवस्था को प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए प्रभावी प्रतिक्रिया दें। निश्चित तौर पर निर्भरता को विवशता में बदलने की इजाजत नहीं दी जानी चाहिए लेकिन इसका हल यह है कि हम पर्याप्त शक्ति हासिल करके दुनिया के साथ सक्रियता से जुड़े रहें। यह न केवल प्रभावी आर्थिक शक्ति के रूप में सम्मान पाने के लिए जरूरी है बल्कि देश के लोगों के कल्याण को बढ़ाने के लिए भी यह जरूरी है।

बीते वर्षों के दौरान भारत ने बाहरी झटकों और आंतरिक अनिश्चितताओं दोनों के विरुद्ध लचीलापन हासिल किया है। बाहरी मोर्चे पर हमें अब पहले के नाजुक देश की तुलना में तेजी से विकसित होती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शुमार किया जा रहा है। हम अंतरराष्ट्रीय विवादों के कारण उपजी अनिश्चितता और जिंस कीमतों में उतार चढ़ाव, कच्चे माल की कमी और आपूर्ति क्षेत्र की बाधाओं से भलीभांति निपटने में कामयाब रहे हैं। एक मजबूत और ठोस वित्तीय व्यवस्था के साथ देश ने वैश्विक वित्तीय अनिश्चितताओं से समुचित बचाव हासिल कर लिया है। यहां तक कि घरेलू स्तर पर भी अर्थव्यवस्था अब मॉनसून की नाकामी और आपूर्ति क्षेत्र की दिक्कतों को लेकर मुश्किल में नहीं रहती है। वैश्विक माहौल में उथल-पुथल के बीच भी भारत ने वृद्धि और टिकाऊपन हासिल किया है और यह उसकी पहचान रही है। आश्चर्य नहीं कि रिजर्व बैंक ने 2025-26 के वृद्धि अनुमानों को 6.5 फीसदी से बढ़ाकर 6.8 फीसदी कर दिया है। यह पहली तिमाही में तेज वृद्धि दर7.8 फीसदी की बदौलत है, जो पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही में दर्ज 6.5 फीसदी और इसकी पिछली तिमाही के 7.4 फीसदी की तुलना में अधिक है। शेष तीन तिमाहियों में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर क्रमशः 7 फीसदी, 6.4 फीसदी और 6.2 फीसदी रहने का अनुमान है। इस प्रकार, भले ही अमेरिका द्वारा टैरिफ को एक हथियार के रूप में लागू किए जाने के बाद वृद्धि की संभावनाओं को लेकर कुछ आशंका थी, लेकिन वृद्धि दर में बेहतरी की ओर संशोधन भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती को फिर से प्रमाणित करता है। हालांकि पिछले कुछ वर्षों में वृद्धि की प्रवृत्तियों को लेकर प्रमुख चिंता यह है कि इनका मुख्य आधार घरेलू उपभोग मांग रही है। सरकार ने निजी निवेश को प्रोत्साहित करने की आशा में पूंजीगत व्यय बढ़ाने का प्रयास किया है, लेकिन निजी निवेश की मांग का रुझान अब भी कमजोर बना हुआ है। देश में निवेश करने के बजाय भारतीय कंपनियों द्वारा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में तेज वृद्धि देखी गई है। भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, 2024-25 में भारतीय कंपनियों का विदेशी निवेश 40 फीसदी बढ़कर 36 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। अकेले निजी घरेलू खपत पर निर्भरता से वृद्धि को टिकाऊ गति नहीं मिल सकती है। ऐसे में वृद्धि के अन्य इंजन की बाधाएं दूर करना आवश्यक है। इसके लिए नीतिगत आत्मावलोकन की आवश्यकता है। एक आशंका यह है कि घरेलू खपत और अस्थिर, अक्सर आक्रामक अंतरराष्ट्रीय माहौल भारत को आत्मनिर्भर आर्थिक नीति व्यवस्था की ओर धकेल सकता है, जो विनाशकारी सिद्ध हो सकता है। हम सहज हालात में नहीं जीते रह सकते। अगर हमें अगले दो दशक में विकसित देश का दर्जा हासिल करना है तो हम 6.5 फीसदी की दर की निरंतर वृद्धि से ऐसा नहीं कर सकते। आत्मनिर्भर भारत की बातों के बीच हमें यह याद रखना होगा कि दुनिया का कोई देश खुद को वैश्विक प्रतिस्पर्धा से बचाकर निरंतर उच्च वृद्धि नहीं हासिल कर सकता है। अमेरिका द्वारा शुल्क इजाफे का इस्तेमाल भी काफी नुकसान पहुंचाने वाला होगा खासतौर पर श्रम गहन उद्योगों में। अल्पावधि में व्यापार में विविधता लाना मुश्किल है। उम्मीद है कि यह एक अस्थायी दौर है और व्यापार वार्ताएं ज्यादा उचित समाधान तक पहुंचने में मदद करेंगी। फिर भी, नीति निमार्ताओं को इसे एक चेतावनी के रूप में लेना चाहिए और जो चुनौती सामने आई है, उसे सुधार का एक अवसर मानकर उसका समाधान करना चाहिए। वृद्धि को गति देने के लिए निवेश में इजाफा करना होगा और उत्पादकता बढ़ानी होगी। सकल घरेलू पूंजी निर्माण जीडीपी के 30-31 फीसदी पर ठहरा हुआ है और पूंजी-उत्पादन अनुपात में भी कोई कमी आने के संकेत नहीं दिख रहे हैं। उत्पादकता में इजाफा न केवल अर्थव्यवस्था की वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए आवश्यक है बल्कि घरेलू उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण उत्पाद मुहैया कराने के लिए भी यह जरूरी है। हमें यह समझने की जरूरत है कि संरक्षणवाद केवल निर्यातकों पर ही नहीं, बल्कि घरेलू उपभोक्ताओं पर भी एक प्रकार का कर है। आत्मनिर्भर भारत पर बहुत अधिक जोर देने से लाभ केवल उन अक्षम घरेलू उत्पादकों को होगा, जो संरक्षण के आवरण में उपभोक्ताओं को घटिया उत्पाद उपलब्ध कराएंगे। भावनात्मक भाषण देना और जनभावनाओं को उभारना आकर्षक हो सकता है, लेकिन असली चुनौती यह है कि हम गहराई से आत्ममंथन करें ताकि कार्यकुशलता प्रभावित न हो। जैसा कि मैं पहले भी लिख चुका हूं, भारत को अंतरराष्ट्रीय माहौल द्वारा उत्पन्न चुनौतियों को अवसर के रूप में लेना चाहिए और सुधारों की शुरूआत करनी चाहिए। ये सुधार भी बुनियादी होने चाहिए न कि सतही। आवश्यक हस्तक्षेपों में श्रम और भूमि बाजारों में सुधार शामिल हैं। पूंजी की लागत को कम करने के लिए राजकोषीय मजबूती की प्रक्रिया को जारी रखना होगा, क्योंकि घरेलू क्षेत्र की शुद्ध वित्तीय बचत केवल लगभग 5.1 फीसदी है। सार्वजनिक निवेश को बनाए रखने के लिए विनिवेश और निजीकरण कार्यक्रम को पुनर्जीवित करके वित्त पोषण करना आवश्यक होगा। कानून का शासन सुनिश्चित करने, संपत्ति अधिकारों की रक्षा करने और अनुबंधों को शीघ्रता से लागू करने के लिए सार्वजनिक प्रशासन में सुधार अत्यंत आवश्यक है। आत्मनिर्भरता की बात करना जारी रखा जा सकता है, लेकिन हमें कठोर पर आवश्यक सुधारों से पीछे नहीं हटना चाहिए।

राशिफल

मेष राशि :- दैनिक व्यवसाय गति में सुधार होगा, योजनायें फलीभूत होंगी, रुके कार्य बनेंगे ध्यान दें।

वृष राशि :- दैनिक क्षमता में वृद्धि होगी, सफलता एवं प्रभुत्व वृद्धि के योग बनेंगे, कार्यगति पर ध्यान अवश्य दें।

मिथुन राशि :- आर्थिक योजना पूर्ण होगी, कार्य क्षमता में वृद्धि के योग बनेंगे, इष्ट मित्र सुखवर्धक होगा।

कर्क राशि :- कार्य व्यवसाय अनुकूल रहेगा, चिन्तायें कम होंगी तथा इष्ट मित्र सुखवर्धक होगा, समय का ध्यान रखें।

सिंह राशि :- धन लाभ होगा, आशानुकूल सफलता का हर्ष होगा, कार्यवृत्ति में सुधार होगा, कार्य पर ध्यान दे।

कन्या राशि :- कुछ समस्या सुलझेंगी कुछ पैदा होंगी, समय अनुकूल नहीं सोच-विचार कर कार्य अवश्य करें।

तुला राशि :- कार्य-व्यवसाय क्षमता अनुकूल होगी, आशाओं में कुछ सफलता किन्तु तनाव बनेगा, धैर्य अवश्य रखें।

वृश्चिक राशि :- धन लाभ होगा, आशानुकूल सफलता का हर्ष होगा, कुटुम्ब की समस्यायें अवश्य ही सुलझेंगी ध्यान दें।

धनु राशि :- प्रत्येक कार्य में विलम्ब संभव है, धन लाभ होगा, आशानुकूल सफलता का हर्ष होगा, कार्य समय पर करें।

मकर राशि :- आरोप व क्लेश संभव है, धन का व्यय होगा किन्तु विशेष सफलता से खुशी होगी, धैर्य के साथ कार्य करें।

कुंभ राशि :- सफलता के साधन जुटायेंगे, सोचे कार्य समय पर पूर्ण होंगे, रुके कार्य परिश्रम से बनेंगे, आलस्य से हानि।

मीन राशि :- किसी तनाव व क्लेश की स्थिति से बचें, अशांति व असमंजस का वातावरण रहेगा, वाद-विवाद से बचें।

दुबई में हुए अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में जबलपुर के छात्र प्रखर ने किया देश का प्रतिनिधित्व

रूपराह कॉलेज के छात्र ने लहराया परचम, सतत विकास लक्ष्यों पर हुआ सम्मेलन में हुए शामिल

जबलपुर। हरि सिंह रूपराह कला, वाणिज्य एवम विधि महाविद्यालय, जबलपुर के अंतिम वर्ष के बीएएलएलबी (ऑनर्स) के विद्यार्थी अधारताल निवासी प्रखर गुप्ता ने हाल ही में दुबई में जबलपुर का परचम लहराया है। यूथ डायलॉग फोरम ऑन सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स में उन्होंने भारत का प्रतिनिधित्व किया। उल्लेखनीय है कि यह अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन राइजअप ऑल संस्था द्वारा गत दिवस दुबई के रामाडा होटल में आयोजित किया गया। इसमें दुनिया के विभिन्न देशों से युवाओं ने भाग लिया। प्रखर ने अपनी सफलता का श्रेय गुरुजनों और अभिभावकों को दिया है।

स्टूडेंट फंड से पूरा हुआ सपना

प्रखर की ये उपलब्धि इसलिए और भी विशेष है क्योंकि उनका पूरा विदेश दौरा कॉलेज के स्टूडेंट डेवलपमेंट फंड के तहत पूर्ण रूप से प्रायोजित (फुली स्पॉन्सर्ड) रहा। चयन प्रक्रिया बेहद प्रतिस्पर्धात्मक रही, इसमें छात्रों का चयन उनके शैक्षणिक प्रदर्शन, उपस्थिति और पासपोर्ट उपलब्धता के आधार पर किया गया।

शिक्षकों का सहयोग

प्रखर ने बताया कि शिक्षकों के सहयोग से ही यह सफलता उन्हें मिली है। उन्होंने कॉलेज प्रबंधन के प्रति गहरी कृतज्ञता व्यक्त की। उन्होंने श्रीमती अमृत कौर रूपराह (अध्यक्ष), श्री नरिंदरपाल सिंह रूपराह (चेयरमैन), कु. हरसिमरन कौर रूपराह (उपाध्यक्ष) तथा श्री नवतेज सिंह रूपराह (निदेशक झ्र प्रशासन) के प्रति आभार व्यक्त किया। धन साथ ही उन्होंने श्रीमती निधि कौर पदम रूपराह (निदेशक झ्र शिक्षा एवं अकादमिक) के प्रति विशेष आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके मोटिवेशन से ही छात्रों को अंतरराष्ट्रीय मंचों तक पहुँचाने की यह पहल शुरू हुई। अभिभावक प्रदीप कुमार गुप्ता और श्रीमती राधा गुप्ता ने उन्हें हमेशा प्रेरित किया।

वैश्विक मुद्दों पर रखे विचार

सम्मेलन में प्रखर ने विभिन्न देशों के युवा प्रतिनिधियों के साथ संवाद किया। वैश्विक मुद्दों पर विचार-विमर्श किया और संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों की गहराई से समझ हासिल की। उन्होंने कहा कि इस अनुभव ने न केवल उनके शोध और संवाद कौशल को निखारा, बल्कि उन्हें यह भी सिखाया कि विकास तभी टिकाऊ है जब वह सबके लिए हो।

देखा बुर्ज खलीफा

सम्मेलन के साथ ही प्रखर को दुबई के कुछ प्रसिद्ध स्थलों का भ्रमण करने का भी अवसर मिला। उन्होंने दुनिया की सबसे ऊँची इमारत बुर्ज खलीफा से शहर का मनमोहक दृश्य देखा और इस अनुभव को जीवन भर याद रहने वाला क्षण बताया।

गुड़हल के फूल से बनाएं नेचुरल फेस पैक, हफ्ते में 1-2 बार लगाएं, डल से डल स्किन भी करने लगेगी ग्लो

नई दिल्ली, एजेंसी। क्या आप भी अपनी त्वचा के निखार को बढ़ाने के लिए पार्लर में जाकर महंगे-महंगे ब्यूटी ट्रीटमेंट्स पर पैसे खर्च करते हैं? अगर हां, तो आपको घर पर इस नेचुरल फेस पैक को कम से कम एक बार जरूर ट्राई करके देखना चाहिए। गुड़हल के फूल से फेस पैक बनाने का तरीका बेहद आसान है और आपकी जानकारी के लिए बता दें कि त्वचा के लिए ये फेस पैक वरदान साबित हो सकता है। सबसे पहले गुड़हल के 4 से 5 फूलों को पानी से धोकर साफ कर लीजिए। अब आपको फूलों से एक पेस्ट तैयार कर लेना है। एक कटोरी में गुड़हल के फूलों का पेस्ट और एक स्पून दही निकालिए और इन दोनों चीजों को अच्छी तरह से मिक्स कर लीजिए। अब आप इस पेस्ट को फेस पैक की तरह अपने स्किन केयर रूटीन का हिस्सा बना सकते हैं। आपको इस फेस पैक को अपने पूरे चेहरे पर और गर्दन वाले हिस्से पर अच्छी तरह से अप्लाई कर लेना है। बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए आपको लगभग 15 मिनट तक इस फेस पैक को लगाए रखना है। थोड़ी देर के बाद आप फेस वॉश कर सकते हैं। मुंह धोने के बाद आपको अपनी त्वचा पर खुद-ब-खुद पॉजिटिव असर महसूस होने लगेगा। त्वचा के निखार को सुधारने के लिए गुड़हल के फूल से बने फेस पैक का इस्तेमाल किया जा सकता है। अगर आप मुंहासों को दूर करना चाहते हैं, तो भी इस फेस पैक को अपने स्किन केयर रूटीन में शामिल कर लीजिए। इस फेस पैक की मदद से झुर्रियों को कम करने में भी मदद मिल सकती है। हालांकि, इस फेस पैक को अपने पूरे चेहरे पर अप्लाई करने से पहले आपको पैच टेस्ट करना नहीं भूलना चाहिए।

किडनी फेल्योर को समझें: डायलिसिस और किडनी ट्रांसप्लांट कैसे बचाते हैं जीवन -डॉ. विशाल वसंत रामटेके, प्रिंसिपल कंसल्टेंट - नेफ्रोलॉजी, मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल , नागपुर

सिवनी। क्रॉनिक किडनी डिजीज (सीकेडी) एक ऐसी बीमारी है जिसमें किडनी धीरे-धीरे खून से अपशिष्ट पदार्थों को फिल्टर करने और शरीर में एसिड-बेस संतुलन को बनाए रखने की क्षमता खो देती हैं। यह गंभीर बीमारी भूख न लगना, थकान, शरीर में सूजन, सांस लेने में दिक्कत और हीमोग्लोबिन का कम होना जैसी समस्याओं के रूप में सामने आ सकती है। हालांकि यह स्थिति डरावनी लग सकती है, लेकिन मेडिकल के क्षेत्र में हुई प्रगति ने किडनी फेल्योर के बाद जीवन को काफी बेहतर बना दिया है। डॉ. विशाल वसंत रामटेके, प्रिंसिपल कंसल्टेंट झ्र नेफ्रोलॉजी, मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, नागपुर ने इसके बारे में जानकारी साझा की। डॉ. विशाल वसंत रामटेके, प्रिंसिपल कंसल्टेंट झ्र नेफ्रोलॉजी, मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, नागपुर ने बताया की, जब किसी मरीज की किडनी ठीक से काम नहीं कर पाती, तो डायलिसिस एक जीवनरक्षक इलाज के रूप में काम करती है। डायलिसिस, जिसे रीनल रिप्लेसमेंट थेरपी भी कहा जाता है, जो दो प्रकार की होती हैः हीमो डायलिसिस और पेरीटोनीयल डायलिसिस, जिसे सीएपीडी (कॉन्टिन्युअस एंबुलेटरी पेरीटोनीयल डायलिसिस) भी कहा जाता है। हीमो डायलिसिस में, मरीज के खून से टॉक्सिन और अतिरिक्त पानी को मशीन के माध्यम से फिल्टर किया जाता है। ज्यादातर मरीजों को हफ्ते में तीन बार डायलिसिस करवानी पड़ती है, और हर सेशन लगभग चार घंटे का होता है, जो डायलिसिस सेंटर में किया जाता है। कुछ मामलों में इसे घर पर भी किया जा सकता है, जिसे होम हीमोडायलिसिस कहा जाता है। सीएपीडी में, मरीज की अपनी पेरीटोनीयल मेम्ब्रेन (अब्डोमिनल कैविटी की परत) एक प्राकृतिक फिल्टर की तरह काम करती है। पेट में एक विशेष डायलिसिस फ्लूइड डाला जाता है और फिर इसे सर्जरी द्वारा लगाई गई नरम ट्यूब के माध्यम से बाहर निकाला जाता है। यह प्रक्रिया आमतौर पर दिन में 3झ्र4 बार घर पर की जाती है। हर साइकिल लगभग चार घंटे की होती है और इसे मरीज खुद या मशीन की मदद से कर सकता है। हीमो डायलिसिस और सीएपीडी दोनों ही सुरक्षित और प्रभावी तरीके हैं। मरीज अपनी जीवनशैली और सुविधा के अनुसार कोई भी तरीका चुन सकते हैं। उन सीकेडी मरीजों के लिए जो किडनी ट्रांसप्लांट के लिए योग्य नहीं हैं या जब कोई डोनर उपलब्ध नहीं होता, सही तरीके से डायलिसिस करने पर लंबे समय तक जीवन बचाया जा सकता है। डॉ. विशाल वसंत रामटेके, प्रिंसिपल कंसल्टेंट झ्र नेफ्रोलॉजी ने आगे बताया की, जहां डायलिसिस से जीवन की अवधि बढ़ सकती है, वहीं किडनी ट्रांसप्लांट न केवल लंबी उम्र देता है बल्कि जीवन की गुणवत्ता को भी बहुत बेहतर बनाता है। इस प्रक्रिया में, किसी जीवित या मृतक डोनर की स्वस्थ किडनी सर्जरी द्वारा मरीज में प्रत्यारोपित की जाती है, जिससे किडनी लगभग सामान्य रूप से काम करने लगती है। यह शरीर से अशुद्धियों को निकालने, पेशाब बनाने, एनीमिया सुधारने, ब्लड प्रेशर नियंत्रित करने और हड्डियों तथा प्रजनन स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद करती है। आधुनिक दवाओं की उपलब्धता के कारण, जो प्रत्यारोपण के बाद किडनी के अस्वीकृति को रोकती हैं, किडनी ट्रांसप्लांट अधिकांश मरीजों के लिए बेहतर परिणाम देती है। यह जीवनशैली पर कम प्रतिबंध डालता है और अधिक सक्रिय जीवन जीने में मदद करता है। लंबे समय तक डायलिसिस और किडनी ट्रांसप्लांट के विकल्प में, किडनी ट्रांसप्लांट ही बेहतर विकल्प माना जाता है क्योंकि यह जीवन की अवधि और जीवन की गुणवत्ता दोनों में सुधार करता है। समय पर नेफ्रोलॉजिस्ट (किडनी विशेषज्ञ) द्वारा मूल्यांकन, सही इलाज का चयन और नियमित फॉलो-अप अच्छे परिणाम पाने के लिए महत्वपूर्ण हैं। किडनी फेल्योर निश्चित रूप से एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या है, लेकिन डायलिसिस और ट्रांसप्लांट जैसी उन्नत किडनी देखभाल की तकनीकों के साथ कई लोग सालों तक जीवित रह सकते हैं और सक्रिय, सार्थक जीवन की उम्मीद कर सकते हैं।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल का झिंझरी हेलीपैड पर हुआ स्वागत

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। राज्यपाल मंगुभाई पटेल का शनिवार को कटनी जिले के पुलिस लाइन स्थित झिंझरी हेलीपैड पर शाम 5.01 बजे हेलीकॉप्टर से आगमन हुआ। राज्यपाल श्री पटेल का यहां विधायक मुड़वारा संदीप श्रीप्रसाद जायसवाल, महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी और जिला भाजपा अध्यक्ष दीपक टंडन सोनी व शहडोल सांसद प्रतिनिधि पद्मेश गौतम ने आत्मीय स्वागत किया।

राज्यपाल श्री पटेल का यहां हेलीपैड पर संभागायुक्त श्री धनंजय सिंह, डी आई जी श्री अतुल सिंह, कलेक्टर श्री आशीष तिवारी और पुलिस अधीक्षक श्री अभिनय विश्वकर्मा एवं वन मंडलाधिकारी श्री गौरव शर्मा ने पुष्पगुच्छ भेंट कर अगवानी की। पूर्व महापौर शशांक श्रीवास्तव, रामरतन पायल,पीतांबर टोपनानी, सहित नगर निगम के पार्षदों एवं अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी राज्यपाल का अभिनंदन किया।इस मौके पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ संतोष डेहेरिया और एस डी एम श्री प्रमोद कुमार चतुर्वेदी व डिप्टी कलेक्टर श्री प्रदीप कुमार मिश्रा भी उपस्थित रहे।

स्लीमनाबाद में विभिन्न कार्यक्रम में होंगे शामिल

राज्यपाल श्री मंगूभाई पटेल रविवार 12 अक्टूबर को स्लीमनाबाद और समीपस्थ ग्राम हरदुआ के विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे। राज्यपाल श्री पटेल रविवार को प्रातः 10:30 बजे कार द्वारा ग्राम हरदुआ पहुंचेंगे और वहां आदिसेवा केन्द्र और प्रधानमंत्री आवास का अवलोकन कर हितग्राहियों से चर्चा करेंगे। इसके बाद राज्यपाल स्लीमनाबाद कॉलेज परिसर में आयोजित जनसंवाद स्थल में स्वास्थ्य शिविर एवं प्रदर्शनी का अवलोकन करेंगे। राज्यपाल सिकल सेल से पीड़ित व्यक्ति के अनुभव भी सुनेंगे। इसके अलावा वे यहां विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाभों का वितरण भी करेंगे। राज्यपाल श्री पटेल दोपहर 12:10 बजे स्लीमनाबाद से कार द्वारा झिंझरी पुलिस लाईन स्थित हेलीपैड के लिए प्रस्थान करेंगे। वे यहां भोजन एवं विश्राम के बाद दोपहर 1:40 बजे हेलीकॉप्टर द्वारा नरसिंहपुर के लिये प्रस्थान करेंगे।

13 एवं 14 अक्टूबर को घर-घर जाकर पिलाई जाएगी पोलियो की दवा

पल्स पोलियो अभियानः रविवार को 1670 बूथों में पिलाई जाएगी दो बूंद जिंदगी की

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। पल्स पोलियो अभियान के अतिरिक्त चरण के तहत 12 अक्टूबर से 14 अक्टूबर तक कुल 1670 बूथों में जिले के जीरो से 5 वर्ष तक के 1 लाख 73 हजार 418 बच्चों को पल्स पोलियो दवा की खुराक पिलाई जायेगी।कलेक्टर श्री आशीष तिवारी ने पालकों और अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने शून्य से 5 वर्ष तक के बच्चों को नजदीकी बूथ मे ले जाकर पोलियो की दवा अवश्य पिलवायें। कलेक्टर श्री तिवारी ने कहा कि पल्स पोलियो अभियान एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। पल्स पोलियों के अतिरिक्त चरण के अंतर्गत रविवार 12 अक्टूबर को जिले मे स्थापित सभी पोलियों बूथों पर जीरो से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जाएगी। लेकिन अगर कोई बच्चा रविवार को दवा पीने से वंचित रहता है तो 13 एवं 14 अक्टूबर को घर-घर जाकर दवा पिलाई जाएगी। कलेक्टर श्री तिवारी ने स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित किया है कि अभियान के अंतर्गत कोई भी बच्चा दवा पीने से वंचित न रहे।

पोलियो दवा पिलाने साढ़े तीन हजार कर्मी तैनात- बच्चों को पोलियो की दवा पिलाने साढ़े तीन हजार से अधिक स्वास्थ्य कर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। इसमें 3 हजार 354 स्वास्थ्य कर्मचारी तथा 162 सुपरवाइजर शामिल हैं। साथ ही 1670 बूथ बनाए गए हैं।उल्लेखनीय है कि जिले में पल्स पोलियो अभियान के अतिरिक्त चरण के तहत 12 अक्टूबर से 14 अक्टूबर तक अभियान का आयोजन किया गया है। बूथ बी टाईप के 1386 , सी टाइप के 182 तथा 27 मोबाइल टीमों के 75 ट्रांजिट बूथों में जीरो से 5 वर्ष तक के 1 लाख 73 हजार 418 बच्चों को पल्स पोलियो वैक्सीनेशन की खुराक पिलाई जायेगी। अभियान के दौरान 43 फोर-व्हीलर वाहन एवं 242 टू-व्हीलर वाहन संलग्न होंगे। जिले के मेला स्थलों, बाजारों, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड तथा अन्य प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर 75 ट्रांजिट बूथ स्थापित किए जा रहे हैं। यह सुनिश्चित करने के लिये कि "एक भी बच्चा पोलियो दवा से वंचित न रहे", उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों जैसे – ईंट भट्टे, क्रेशर स्थल, निमार्णाधीन क्षेत्र, घुमक्कड़ एवं झुग्गी बस्तियाँ, स्लम, पैरी-अर्बन और दुर्गम वनग्राम में 27 मोबाइल टीमें सक्रिय रूप से कार्य करेंगी।

कलेक्टर श्री तिवारी ने 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो की दवा पिलवाने की अपील

प्रशासन ने बनाई दो अलग-अलग टीम

दिया अल्टीमेटम तो जागा प्रशासन, 15 को होगा सीमांकन

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। हाल ही में जिले में अतिक्रमणकारियों के हौसले बुलंद होते जा रहे है, तहसील छेत्र का कोई एक ऐसा गांव नहीं होगा जहां अतिक्रमण ने अपने पैर न पसारे हो ऐसा ही एक मामला स्लीमनाबाद से भेड़ा मार्ग में जो कि मचुर्री के ठीक बगल में स्थित भूमि का प्रकाश में आया था जिसका खसरा क्रमांक 53 एवं 54 है जिस पर ग्राम के ही मुस्लिम समुदाय के द्वारा अवैध कब्जा कर तार बाउंड्री निर्माण कार्य कर लिया गया है इस पूरे मामले को लेकर विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल ने तहसीलदार को एक अल्टीमेटम सौंप कर कार्यवाही की मांग की थी कार्यवाही न होने की स्थिति में आगामी 16 अक्टूबर को स्लीमनाबाद तिराहे में चक्काजाम के साथ उग्र आंदोलन की चेतावनी प्रशासन को दी थी जिसके बाद सोया प्रशासन जागा और अल्टीमेटम के ठीक बाद दो अलग अलग टीम का निर्माण कर सीमांकन की तिथि तय की, आपको बता दे कि पहला जांच दल कार्यालय कलेक्टर (भू-अभिलेख) जिला कटनी के द्वारा राजस्व निरीक्षक सहित पटवारियों को जांचदल में शामिल किया गया तो वहीं दूसरी तरफ स्लीमनाबाद तहसील कार्यालय द्वारा नायब तहसीलदार सहित 7 पटवारियों की टीम गठित कर सीमांकन करने का निर्देश किया गया है । सवाल ये उठता है कि आगामी 15 अक्टूबर को सीमांकन तो हो जाएगा लेकिन अवैध कब्जा कब हटाया जाएगा तहसीलदार स्लीमनाबाद आदेश में स्पष्ट रूप से इस बात का उल्लेख किया गया है कि हल्का पटवारी 14 स्लीमनाबाद के द्वारा प्रतिवेदन प्रस्तुत कर लेख किया गया है कि ग्राम स्लीमनाबाद स्थित भूमि ख0नं0 54 रकवा 2.72 हे0 मद सैनिक छावनी म०प्र० शासन के नाम पर दर्ज है। उक्त भूमि पर अनावेदकगणों' के द्वारा तार बाउन्डी लगाकर अतिक्रमण किया गया है। उक्त भूमि का सीमांकन दिनांक 15.10.2025 को नियत किया गया है। जिसके सीमांकन कार्य हेतु निम्नानुसार दल गठित किया जाता है। पटवारी रिपोर्ट के बाद तो ये सिद्ध हो जाता है कि मुस्लिम समुदाय ने अवैध कब्जा किया है महीनों बीत जाने के बाद भी प्रशासन ने कोई ठोस कदम क्यों नहीं उठाया इस पूरे मामले को लेकर विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के कार्यकताओं से बात चीत की गई तो उन्होंने बताया कि प्रशासन की मनसा पर उन्हें अभी संदेह है पटवारी रिपोर्ट और मुस्लिम समुदाय के जबाव से ये सिद्ध हो गया है कि सैनिक छावनी की 2,72 हेक्टेयर भूमि पर मुस्लिम समुदाय का अवैध कब्जा है फिर भी प्रशासन कागज कागज खेल रहा है।

किडनी फेल्योर को समझेंः डायलिसिस और किडनी ट्रांसप्लांट कैसे बचाते हैं जीवनः डॉ. विशाल वसंत रामटेके

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। क्रॉनिक किडनी डिजीज (सीकेडी) एक ऐसी बीमारी है जिसमें किडनी धीरे-धीरे खून से अपशिष्ट पदार्थों को फिल्टर करने और शरीर में एसिड-बेस संतुलन को बनाए रखने की क्षमता खो देती हैं। यह गंभीर बीमारी भूख न लगना, थकान, शरीर में सूजन, सांस लेने में दिक्कत और हीमोग्लोबिन का कम होना जैसी समस्याओं के रूप में सामने आ सकती है । हालांकि यह स्थिति डरावनी लग सकती है, लेकिन मेडिकल के क्षेत्र में हुई प्रगति ने किडनी फेल्योर के बाद जीवन को काफी बेहतर बना दिया है। डॉ. विशाल वसंत रामटेके, प्रिंसिपल कंसल्टेंट झ नेफ्रोलॉजी, मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, नागपुर ने इसके बारे में जानकारी साझा की । डॉ. विशाल वसंत रामटेके, प्रिंसिपल कंसल्टेंट झ नेफ्रोलॉजी, मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, नागपुर ने बताया की, जब किसी मरीज की किडनी ठीक से काम नहीं कर पाती, तो डायलिसिस एक जीवनरक्षक इलाज के रूप में काम करती है। डायलिसिस, जिसे रीनल रिप्लेसमेंट थेरपी भी कहा जाता है, जो दो प्रकार की होती हैः हीमो डायलिसिस और पेरीटोनीयल डायलिसिस, जिसे सीएपीडी (कॉन्टिन्युअस एंबुलेटरी पेरीटोनीयल डायलिसिस) भी कहा जाता है। हीमो डायलिसिस में, मरीज के खून से टॉक्सिन और अतिरिक्त पानी को मशीन के माध्यम से फिल्टर किया जाता है। ज्यादातर मरीजों को हफ्ते में तीन बार डायलिसिस करवानी पड़ती है, और हर सेशन लगभग चार घंटे का होता है, जो डायलिसिस सेंटर में किया जाता है। कुछ मामलों में इसे घर पर भी किया जा सकता है,

जिसे होम हीमोडायलिसिस कहा जाता है। सीएपीडी में, मरीज की अपनी पेरीटोनीयल मेम्ब्रेन (अब्डोमिनल कैविटी की परत) एक प्राकृतिक फिल्टर की तरह काम करती है। पेट में एक विशेष डायलिसिस फ्लूइड डाला जाता है और फिर इसे सर्जरी द्वारा लगाई गई नरम ट्यूब के माध्यम से बाहर निकाला जाता है। यह प्रक्रिया आमतौर पर दिन में 3-4 बार घर पर की जाती है। हर साइकिल लगभग चार घंटे की होती है और इसे मरीज खुद या मशीन की मदद से कर सकता है। हीमो डायलिसिस और सीएपीडी दोनों ही सुरक्षित और प्रभावी तरीके हैं। मरीज अपनी जीवनशैली और सुविधा के अनुसार कोई भी तरीका चुन सकते हैं। उन सीकेडी मरीजों के लिए जो किडनी ट्रांसप्लांट के लिए योग्य नहीं हैं या जब कोई डोनर उपलब्ध नहीं होता, सही तरीके से डायलिसिस करने पर लंबे समय तक जीवन बचाया जा सकता है। डॉ. विशाल वसंत रामटेके, प्रिंसिपल कंसल्टेंट झ नेफ्रोलॉजी ने आगे बताया की, जहां डायलिसिस से जीवन की अवधि बढ़ सकती है, वहीं किडनी ट्रांसप्लांट न केवल लंबी उम्र देता है बल्कि जीवन की गुणवत्ता को भी बहुत बेहतर बनाता है। इस प्रक्रिया में, किसी जीवित या मृतक डोनर की स्वस्थ किडनी सर्जरी द्वारा मरीज में प्रत्यारोपित की जाती है, जिससे किडनी लगभग सामान्य रूप से काम करने लगती है। यह शरीर से अशुद्धियों को निकालने, पेशाब बनाने, एनीमिया सुधारने, ब्लड प्रेशर नियंत्रित करने और हड्डियों तथा प्रजनन स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद करती है। आधुनिक दवाओं की उपलब्धता के कारण, जो प्रत्यारोपण के बाद किडनी के अस्वीकृति को रोकती हैं, किडनी ट्रांसप्लांट अधिकांश मरीजों के लिए बेहतर परिणाम देती है। यह जीवनशैली पर कम प्रतिबंध डालता है और अधिक सक्रिय जीवन जीने में मदद करता है। लंबे समय तक डायलिसिस और किडनी ट्रांसप्लांट के विकल्प में, किडनी ट्रांसप्लांट ही बेहतर विकल्प माना जाता है क्योंकि यह जीवन की अवधि और जीवन की गुणवत्ता दोनों में सुधार करता है। समय पर नेफ्रोलॉजिस्ट (किडनी विशेषज्ञ) द्वारा मूल्यांकन, सही इलाज का चयन और नियमित फॉलो-अप अच्छे परिणाम पाने के लिए महत्वपूर्ण हैं। किडनी फेल्योर निश्चित रूप से एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या है, लेकिन डायलिसिस और ट्रांसप्लांट जैसी उन्नत किडनी देखभाल की तकनीकों के साथ कई लोग सालों तक जीवित रह सकते हैं और सक्रिय, सार्थक जीवन की उम्मीद कर सकते हैं।

चांद का दीदार कर महिलाओं ने देर रात खोला अपना निर्जला व्रत

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। विगत दिवस शुक्रवार को तहसील छेत्र में करवा चौथ का पर्व बड़ी धूमधाम से मनाया गया। चांद के दीदार के साथ सुहागिनों ने व्रत खोला। स्लीमनाबाद छेत्र में 8 बजकर 20 मिनट पर चांद ने अपने दर्शन दिए। करवा चौथ का व्रत सुहागिन महिलाओं के लिए बहुत ही खास है। कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि पर निर्जला व्रत रख महिलाएं पति की दुघार्यु, समृद्धि और सौभाग्य की कामना करती हैं। चंद्रोदय के समय चंद्रमा के दर्शन करने के पश्चात ही वे अपने पति के हाथों से निवाला या जल ग्रहण कर व्रत खोलती हैं। संत शिरोमणि ब्रम्हानंद दास जी महराज ने बताया कि इस वर्ष करवा चौथ व्रत सुहागिन महिलाओं के लिए विशेष माना गया है क्योंकि इस बार यह व्रत तीन शुभ संयोगोंए शिव योगए सिद्ध योग और सर्वार्थ सिद्ध योग में पड़ा। करवा चौथ पर्व महिलाओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए। इसमें पारंपरिक गीत, नृत्य और मनोरंजक खेलों ने सभी को आकर्षित किया। वहीं, पौराणिक मान्यता के अनुसार पति की लंबी उम्र के लिए व्रत की परंपरा सतयुग से चली आ रही है। इसकी शुरूआत सावित्री के पतिव्रता धर्म से हुई। जब यम आए तो सावित्री ने अपने पति को ले जाने से रोक दिया और अपनी दृढ़ प्रतिज्ञा से पति को फिर से पा लिया। तब से पति की लंबी उम्र के लिए व्रत किए जाने लगा। दूसरी कहानी पांडवों की पत्नी द्रोपदी की है। वनवास काल में अर्जुन तपस्या करने नीलगिरि के पर्वत पर चले गए थे द्रोपदी ने अर्जुन की रक्षा के लिए भगवान कृष्ण से मदद मांगी। उन्होंने द्रौपदी को वैसा ही उपवास रखने को कहा जैसा माता पार्वती ने भगवान शिव के लिए रखा था। द्रौपदी ने ऐसा ही किया और कुछ ही समय के बाद अर्जुन वापस सुरक्षित लौट आए।

सुश्री कौर ने कार्यक्रम स्थल पहुंचकर अंतिम चरण की तैयारी और व्यवस्थाओं को परखा

संबंधित विभाग और अधिकारी सौंपे गए दायित्वों के अनुरूप चाक चौबंद दुरुस्त और पुख्ता इंतजाम रखेंः जिपं सीईओ

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। महामहिम राज्यपाल श्री मंगू भाई पटेल के जिले में 11 और 12 अक्टूबर को प्रवास को दृष्टिगत रखते हुए जिला पंचायत की सीईओ सुश्री हरसिमरनप्रीत कौर ने शनिवार को विकासखंड बहोरीबंद के ग्राम हरदुआ कार्यक्रम स्थल पहुंचकर अंतिम चरण की तैयारी और व्यवस्थाओं को देखा और परखा। इस दौरान सुश्री कौर ने संबंधित विभाग और अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी संबंधित सौंपे गए दायित्वों के अनुरूप चाक चौबंद दुरुस्त और पुख्ता इंतजाम रखें। उन्होंने कहा कि दायित्व निर्वहन के दौरान अपनी पैनी नजर रखें ताकि किसी भी प्रकार की कोई त्रुटि या चूक न हो। भ्रमण के दौरान जिला पंचायत की सीईओ एवं कार्यक्रम स्थल की संपूर्ण व्यवस्थाओं की प्रभारी सुश्री कौर ने कार्यक्रम स्थल के मंच और पंडाल, आदि कर्मयोगी केंद्र के के निरीक्षण और अवलोकन के साथ प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत स्वीकृत आवास की हितग्राही से संवाद किया। उन्होंने एनआरएलएम के अधिकारी कर्मचारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि राज्यपाल श्री पटेल रविवार 12 अक्टूबर को हरदुआ पहुंचकर निर्धारित समय में तय कार्यक्रमों में सम्मिलित होंगे।

इनकी रही मौजूदगी

निरीक्षण के दौरान अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी अनुराग मोदी, एसडीएम बहोरीबंद एवं ढीमरखेड़ा श्री राकेश चौरसिया और सुश्री निधि गोहल, कार्यपालन यंत्री शारदा सिंह सहित जनपद पंचायत के सीईओ अभिषेक कुमार झा एवं अन्य अधिकारियों की मौजूदगी रही।

सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से की समीक्षा

सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों का संतुष्टि पूर्ण निराकरण तत्परता पूर्वक कराएं। शिकायतकर्ता की शिकायत को संवेदनशीलता के साथ सुनते हुए समस्याओं का समाधान और ग्रेडिंग में सुधार लाया जाना सुनिश्चित करें। शुक्रवार को इस प्रकार के निर्देश जिला पंचायत की सीईओ सुश्री हरसिमरनप्रीत कौर ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों की समीक्षा करते हुए सभी जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों एवं जिला पंचायत के योजना प्रभारी अधिकारियों को दिए। सुश्री कौर ने वन टू वन जनपद पंचायत बड़वारा की सीईओ सुश्री प्रभा तेकाम से समीक्षा प्रारंभ करते हुए सभी जनपद पंचायतों के सीईओ से चर्चा की। इस दौरान उन्होंने गत दिवस प्राप्त शिकायतों का संतुष्टि पूर्ण निराकरण करते हुए बंद कराई गई शिकायतों की जानकारी ली। जिला पंचायत सीईओ सुश्री कौर ने निर्देशित करते हुए कहा कि दो दिन बाद शिकायतों के निराकरण की प्रगति की पुनः समीक्षा की जाएगी इसलिए सभी अधिकारी बेहतर कार्य योजना बनाकर अपनी टीम के सहयोग से अधिक से अधिक शिकायतों का निराकरण कराएं।

पवई में शिक्षा सुधार पर मासिक समीक्षा बैठक संपन्न

पवई। जनपद शिक्षा केंद्र पवई में प्रभारी विकासखंड शिक्षा अधिकारी संतोष गौतम की अध्यक्षता एवं बीआरसी राजेश पटेल के संयोजन में मासिक समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में सभी 13 जनशिक्षा केंद्रों के जनशिक्षक एवं साक्षरता सह-समन्वयक शामिल हुए। बैठक का शुभारंभ सरस्वती वंदना से हुआ। बैठक में चाइल्ड ट्रेकिंग, यू-डाइस प्लस अपडेट, मध्यान्ह भोजन वितरण, आवधिक आंकलन ट्रैकर, आदर्श सामाजिक चेतना केंद्र संचालन, दिव्यांग बच्चों की योजनाएं, और विकसित भारत बिल्डाथोन 2025 जैसे प्रमुख विषयों पर चर्चा हुई। प्रभारी बीईओ ने शिक्षकों को शैक्षणिक गुणवत्ता बढ़ाने, छात्र उपस्थिति सुधारने और सभी योजनाओं को समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक का संचालन रघुवीर तिवारी ने किया। अंत में सभी शिक्षकों ने मिलकर शिक्षा प्रणाली को और सशक्त बनाने का संकल्प लिया।

दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान के तहत पहुंचा दल

कटनी । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप कटनी जिले में 2 अक्टूबर से शुरू हुये दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान के तहत अधिकारियों ने जिले के 630 ग्रामों में पहुंचकर पशुपालकों से संपर्क कर पशुओं में नस्ल सुधार, पशु स्वास्थ्य एवं पोषण के संबंध में जागरूक किया।

दैनिक रेवांचल टाइम्स
निष्पक्ष, निर्भीक एवं सत्य का प्रवर्तक
डिंडोरी जिले में जिला ब्यूरो नियुक्त करना है और सभी ब्लॉक स्तर पर एजेंसी देना है पत्रकारिता के क्षेत्र में रुचि रखने वाले संपर्क करें
संवाददाता भी नियुक्त करना है
प्रबंध संपादक
अतुल कुमार
7415685293
7509202320
प्रधान कार्यालय
आदि प्लाजा की पीछे, फ्लैट न. 03
सी ब्लॉक, शताब्दीपुरम MR-4 रोड उखरी
जबलपुर म.प्र.

छात्र-छात्राओं को स्लीमनाबाद पुलिस ने किया जागरूक

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। जिले के स्लीमनाबाद में सी एम राइस स्कूल में पुलिस ने साइबर अपराध से जागरूक करने के लिए एक कार्यक्रम आयोजित किया पुलिस ने छात्र छात्राओं को ओटीपी, बैंक डिटेल्स साझा न करने और संदिग्ध कॉल्स से बचने की सलाह दी कार्यक्रम के दौरान पुलिस टीम ने उपस्थित छात्र छात्राओं को समझाया कि वे किसी भी अंजान व्यक्ति के साथ अपने ओटीपी, कार्ड नंबर या अन्य बैंक डिटेल्स सांझा न करें। टीम ने लोगों को टेलीग्राम ग्रुप टास्क, अनजान लिंक, और रिमोट एक्सेस ऐप्स जैसे टीम व्यूअर, क्विक सपोर्ट या ऐनी डेस्क डाउनलोड न करने की सलाह दी। साथ ही अज्ञात नंबर से आने वाली वीडियो कॉल को अटेंड न करने तथा संदिग्ध कॉल या लिंक प्राप्त होने पर तुरंत पुलिस के पास काल करने के लिए समझाइश दी, सब इंस्पेक्टर काशी राम झारिया एवं मनकी धुर्वे ने छात्र छात्राओं को जानकारी देते हुए बताया कि बिना लाइसेंस बिना हेलमेट वाहन नहीं चलाना चाहिए जब तक हम बालिक न हो तब तक हमें वाहन नहीं चलाना चाहिए साथ ही विभिन्न विषयों पर प्रकाश डालते हुए छात्र छात्राओं को जागरूक किया गया कार्यक्रम में इस दौरान स्कूल स्टाफ छात्र छात्राओं सहित पुलिस कर्मी मौजूद रहे।

क्या आप दाद-खाज़, खुजली से परेशान है?
अब आपके शहर सिवनी में सभी प्रकार के चर्म रोगों का उपचार सुप्रसिद्ध चिकित्सक द्वारा संभव
डॉ. हेमलता चांचरिया
BHMS, PGDCC, Cosmetologist
चर्म, केश, सौन्दर्य चिकित्सक
माह के दूसरे एवं चौथे बुधवार
सुबह 11 बजे से 2 बजे तक

दाद (दराद) खाज खुजली का ईलाज
- कील मुहाँसे का सफलतम ईलाज
- चेहरे का सॉवलापन झाई एवं Chemical Peeling दाग धब्बे हटाये द्वारा
- तील एवं मस्सो का स्थाई ईलाज लेजर द्वारा
- चेहरे के अनचाहे बालों को हटाना बालों का झड़ना समय से पहले बाल सफेद होना गंजेपन का ईलाज (पी.आर.पी.) द्वारा
- सफेद दाग का सफल ईलाज दवाई एवं सर्जरी द्वारा।
- काली झाईयाँ, चेहरे के दाग धब्बे एवं गड्ढों का सफलतम ईलाज।
- एलर्जी, एग्जिमा, शरीर पर खुजली एवं सोरायसिस का सफल इलाज
- चेहरे के गड्ढे झुरियां एवं दाग का सफल ईलाज दवाई एवं Dermaroller द्वारा
रेवा फार्मेसी
पताः बरघट रोड़, गणेश चौक, सिवनी
Mob: 96696 52061, 88393 10065

भिलाला समाज ने जगाई सामाजिक चेतना : मुख्यमंत्री

जनजातियों का समग्र कल्याण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने धार में भिलाला समाज समागम में की सहभागिता

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि जनजातीय वर्ग का समग्र कल्याण राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। हमारी कोशिश है कि जनजातीय वर्ग का कोई भी व्यक्ति शासन की योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि भिलाला समाज एक साहसी और संस्कारित समाज है, जिसने मां नर्मदा के आशीर्वाद से नशामुक्ति और मृत्युभोज जैसी सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने का संकल्प लिया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नशा नाश की जड़ है, जो कई पीढ़ियों को बर्बाद कर देता है। समाज की कुरीतियों को खत्म करने का प्रयास एक सामाजिक क्रांति का संकेत है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को धार के किला मैदान में जय ओमकार आदिवासी भिलाला समाज संगठन द्वारा आयोजित 12वें प्रांतीय वार्षिक सामाजिक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम शुभारंभ किया। सम्मेलन के तहत भिलाला समाज द्वारा युवक-युवती वैवाहिक परिचय सम्मेलन, रोजगार पंजीयन शिविर, स्वास्थ्य परीक्षण शिविर, नशामुक्ति जागरूकता शिविर, कैरियर मार्गदर्शन शिविर सहित सामाजिक कुरीतियों के निवारण के लिए जागरुकता शिविर भी आयोजित किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पीथमपुर थाना (बगदून) के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण भी किया।

जनजातीय नायकों का सम्मान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने धार जिले की भिलाला समाज की जुझारू महिला नेत्री को केंद्रीय मंत्रिमंडल में स्थान देकर समाज का गौरव बढ़ाया है। राज्य सरकार ने अलीराजपुर का नाम परिवर्तन कर आलीराजपुर कर दिया है। क्रांतिसूर्य टंट्या मामा के नाम पर विश्वविद्यालय की स्थापना और महाराजा शंकर शाह व कुंवर रघुनाथ शाह की जयंती को भव्य रूप से मनाकर हमारी सरकार ने जनजातीय नायकों और परम्पराओं को सम्मान दिया है। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज का राष्ट्ररक्षा और स्वतंत्रता संग्राम में अतुलनीय योगदान रहा है। भगोरिया के उल्लास को हमने राज्यस्तरीय पर्व का दर्जा देकर जनजातीय लोक परंपराओं को सम्मानित किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य प्रत्येक समाज को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाना है। खेती, पशुपालन, मत्स्य पालन और उद्योग के क्षेत्र में तेजी से विकास हो रहा है। उन्होंने कहा कि हम सब भारत माता के लाल हैं, ऐसे में भेदभाव का कोई स्थान नहीं है। राज्य सरकार ने समाज के वंचित वर्ग को आरक्षण का लाभ दिया है। हमारी सरकार ने सबको विकास की मुख्यधारा में जोड़ने का कार्य किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भिलाला समुदाय की सामाजिक एकता और आत्मनिर्भरता आज समाज के दूसरे वर्गों को विकास की दिशा में नई प्रेरणा दे रही है। समाज की विभिन्न मांगों के संबंध में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भिलाला समाज को विकास की नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए हम कोई कसर बाकी नहीं रखेंगे। मांगों की पूर्ति के लिए जितना अधिक हो सकेगा वो बेहतर से बेहतर तरीके से करेंगे। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारें युवाओं, किसानों और महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्यरत हैं। उन्होंने बताया कि आज ही प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना के माध्यम से देशभर के किसानों को बड़ी सौगात मिली है। धार लोकसभा सांसद श्री गजेंद्र सिंह पटेल ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार जनजातीय समाज के समग्र विकास के लिए ठोस कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि वक्फ संशोधन अधिनियम के बाद जनजातीय वर्ग के भाइयों-बहनों की जमीन सुरक्षित हुई है, जिससे समाज को बड़ी राहत मिली है। भिलाला समाज ने इस निर्णय का समर्थन करते हुए सरकार के प्रति आभार जताया है। उन्होंने बताया कि खरगोन और बड़वानी जिले में भिलाला समाज के सामुदायिक भवनों का निर्माण राज्य सरकार की आर्थिक सहायता से किया जा रहा है। कार्यक्रम में अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री श्री नागर सिंह चौहान, श्री देवेंद्र पटेल, पूर्व सांसद श्री छतर सिंह दरबार, समाज के सभी विधायक एवं अन्य निर्वाचित स्थानीय जनप्रतिनिधिगण सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित थे। कार्यक्रम के आरंभ में जय ओमकार आदिवासी भिलाला समाज संगठन के प्रांतीय अध्यक्ष श्री बीएस जामोद ने सम्मेलन की रूपरेखा और भावी गतिविधियों पर प्रकाश डाला।

सोमवार को होगा एमएसएमई सम्मेलन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सोमवार 13 अक्टूबर को होटल ताज भोपाल में एमएसएमई सम्मेलन का शुभारंभ करेंगे। सम्मेलन में उद्यमियों और स्टार्टअप को अनुदान तथा सहायता राशि का सिंगल क्लिक के माध्यम से अंतरण किया जाएगा। सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्यम मंत्री श्री चेतन्य कुमार काश्यप उपस्थित रहेंगे। वर्चुअली कार्यक्रम से प्रदेश के सभी जिले भी जुड़ेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव 3 औद्योगिक क्षेत्रों, 3 नवीन कार्यालय भवनों की वर्चुअली आधारशिला रखेंगे। सम्मेलन में एमएसएमई एवं ओएनडीसी के मध्य एमओयू किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव "मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना" के हितग्राहियों को हितलाभ वितरण करेंगे। साथ ही उद्यमियों को औद्योगिक क्षेत्रों में भूखण्ड वितरण भी करेंगे। सम्मेलन में नव उद्यमी और स्टार्टअप्स अपने अनुभव साझा करेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव सिंगल क्लिक से अंतरित करेंगे 1541 करोड की राशि

एक करोड़ 26 लाख लाड़ली बहनों को मिलेगी रविवार को 29वीं किस्त

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार 12 अक्टूबर को श्योपुर जिले में आयोजित कार्यक्रम के माध्यम से लाड़ली बहना योजना के तहत प्रदेश की लगभग 1 करोड़ 26 लाख 86 हजार लाड़ली बहनों के बैंक खातों में 29वीं किस्त 1541 करोड की राशि का अंतरण करेंगे। मेला ग्रांउड पर आयोजित कार्यक्रम से श्योपुर जिले के 98.87 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण करेंगे तथा 460.40 करोड़ के निर्माण तथा विकास कार्यों का शिलान्यास करेंगे।

स्व-सहायता समूह की महिलाओं को सौपेंगे 30 करोड से अधिक सीसीएल राशि का चैक- मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव इस अवसर पर शासन की विभिन्न योजनाओं के तहत हितग्राहियों को लाभान्वित करेंगे। महिला सशक्तिकरण की दिशा में प्रदेश सरकार द्वारा किये जा रहे कार्यों के तहत एनआरएलएम अंतर्गत संचालित स्व-सहायता समूह की महिलाओं को 30 करोड़ 12 लाख रुपए की सीसीएल राशि का चैक सौपेंगे। इसके अलावा मुख्यमंत्री दुधारू गाय प्रतियोगिता पुरस्कार योजना, आचार्य विद्यासागर गौ-संवर्धन योजना, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना, मुख्यमंत्री जन-कल्याण संबल योजना, प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत निःशुल्क उपचार योजना, मुख्यमंत्री कल्याण विवाह सहायता योजना, दिव्यांग विवाह प्रोत्साहन योजना सहित अन्य योजनाओं में हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण करेंगे।

पुलिस टीम दोनों की तलाश में जुटी; पेट पर डंडे मारने से हुई थी मौत

डीएसपी के साले की हत्या करने वाले आरक्षकों पर FIR

भोपाल। भोपाल में डीएसपी केतन अडलक के साले उदित की डंडे से पीट-पीटकर हत्या करने वाले दोनों आरक्षक संतोष बामनिया और सौरभ आर्य पर हत्या का केस दर्ज कर लिया गया है। शनिवार की तड़के सुबह दोनों पर एफआईआर दर्ज की गई है, जिसकी भनक लगते ही दोनों आरोपी आरक्षक अंडर ग्राउंड हो गए हैं। उनकी तलाश में थाने की तीन टीमें जुटी हैं। एफआईआर से पहले पुलिस ने उन्हें निलंबित कर दिया था। जानकारी के मुताबिक बैंक कॉलोनी बाग दिलकुशा निवासी उदित गायकी पुत्र राजकुमार(22) पेशे से इंजीनियर था। उसके पिता एमपीईबी में असिस्टेंट इंजीनियर हैं, जबकि मां संगीता सेमरा के शासकीय स्कूल में टीचर हैं। उदित अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था, उससे बड़ी दो बहने हैं। एक की शादी डीएसपी केतन अडलक के साथ हुई है, जो इन दिनों बालाघाट हॉक फोर्स में पदस्थ हैं।

बीयर पार्टी करते हुए पुलिस ने पकड़ा और पीटा

गुरुवार रात उदित अपने दोस्त अक्षत भार्गव और दीपक बरकड़े के साथ इंद्रपुरी में बैठकर बीयर पार्टी कर रहा था। तभी चार्ली पर तैनात आरक्षक संतोष बामनिया और आरक्षक सौरभ आर्या ने तीनों को पकड़ लिया था। इस दौरान दोनों पुलिसकर्मियों ने पहले उदित के कपड़े उतरवाए और फिर डंडे पिटाई की थी। दोस्त उसे पहले सांई अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां से उसे गंभीर हालत देखने के बाद एम्स पहुंचा दिया गया। एम्स में चंद घंटे चले इलाज के बाद उसकी मौत हो गई थी। आरोपी पुलिसकर्मियों ने दस हजार रुपए की डिमांड भी की थी। जब रकम नहीं मिली तो दबाव बनाने की नीयत से केतन को पीटा गया था। डीसीपी जोन-2 विवेक सिंह ने बताया कि दोनों पुलिस आरक्षकों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर लिया है। अभी उनकी गिरफ्तारी नहीं की जा सकी है।

सीसीटीवी फुटेज को जब्त किया

पुलिस ने शुक्रवार को सीसीटीवी कैमरों के फुटेज जब्त कर लिए हैं। इन्हें जांच में मुख्य साक्ष्य के तौर पर रखा गया है। जिससे उसे हत्या के सबूत के तौर पर कोर्ट में पेश किया जाएगा। साथ ही पुलिस ने हत्या के मामले में उसके दोस्तों को गवाह बनाया है। दोनों के बयान दर्ज किए जाएंगे। पुलिस अफसरों का कहना है कि आरोपी आरक्षक घटना के बाद से गायब हैं, लेकिन उन्हें जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

छुट्टी लेकर भोपाल आया था उदित

जनों ने पुलिस को बताया कि सीहोर में स्थित कॉलेज से बीई की पढ़ाई की थी। पिछले महीने ही उसकी नौकरी लगी थी। वह छह दिन की छुट्टी लेकर भोपाल आया था। शुक्रवार को दोस्तों के साथ डिग्री लेने के लिए सीहोर स्थित कॉलेज गया था। उसे अपनी इंजीनियरिंग की डिग्री कंपनी में जमा करना थी। वह दोस्तों के साथ क्वालिटी टाइम स्पैंड करना चाहता था। लिहाजा दोस्तों के साथ पार्टी कर रहा था। युवकों के हाथ में बीयर देख पुलिसकर्मियों ने उन पर दबाव डाला। जेल भेजने की धमकी दी, नहीं तो दस हजार रुपए देने की मांग की। जब इस बात का विरोध किया गया तो उदित को बेरहमी से पीटा गया।

किसानों को आर्थिक रूप से बनाया जा रहा है सशक्त: कृषि मंत्री श्री कंषाना

भोपाल । किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री एदल सिंह कंषाना ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त और कृषि क्षेत्र को आधुनिक बनाने के उददेश्य से "प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना", दलहनों में आत्मनिर्भरता मिशन एवं जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिये "नेशनल मिशन ऑन नेचुरल फार्मिंग" का शुभारम्भ किया जाना भारत सरकार की नई पहल है। मंत्री श्री कंषाना ने यह बात कृषि उपज मंडी करोंद के प्रांगण में आयोजित प्रधानमंत्री के लाइव कार्यक्रम के दौरान कही। प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा किसान भाई-बहनों को 42 हजार करोड़ से अधिक की कृषि परियोजनाओं का उपहार दिया गया। कृषि मंत्री श्री कंषाना ने कहा कि प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना भारत सरकार की एक नई पहल है जो किसानों को आर्थिक एवं तकनीकी रूप से सशक्त कर कृषि उत्पादकता एवं ग्रामीण समृद्धि को बढ़ावा देगी। इस योजना के तहत 100 आकांक्षी जिलों को सम्मिलित कर किसानों को वित्तीय सहायता, तकनीकी प्रशिक्षण और बाजार तक पहुंच प्रदान की जायेगी। इसी के साथ भारत संकल्पित है कि दलहन उत्पादन में भारत आत्मनिर्भरता प्राप्त करे। हमें दलहनों के लिये किसी पर निर्भर न होना पड़े। अभी वर्तमान में दाल उत्पादन 24.2 मिलियन टन है जिसे बढ़ाकर आगामी पांच सालों में पैंतीस मिलियन टन करना है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार भी प्रधानमंत्री का संकल्प पूरा करने के लिये वचनबद्ध है। कृषि मंत्री श्री कंषाना ने कहा कि मध्यप्रदेश के समस्त जिलों में इस मिशन को लागू कर आत्मनिर्भरता के उददेश्य की पूर्ति के लिए अरहर, उड़द एवं मसूर जैसी फसलों को प्राथमिकता के आधार पर बढ़ावा दिया जायेगा। सरकार इन उत्पादित फसलों को शत- प्रतिशत समर्थन मूल्य पर खरीदेगी। प्रधानमंत्री के सपने को पूरा करने के लिये मध्यप्रदेश सरकार द्वारा जैविक खेती के क्षेत्र में राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन प्रारंभ किया गया है। मिशन का उददेश्य सभी के लिये सुरक्षित और पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के साथ प्राकृतिक खेती को बढावा देना है। इस मिशन के अंतर्गत मध्यप्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश को 1513 क्लस्टर में 75000 हैक्टेयर भूमि को सम्मिलित करते हुये 189125 किसानों को लाभांवित किया जा रहा है। इस मिशन के अंतर्गत प्रत्येक किसान को चार हजार रुपए प्रति एकड़ अनुदान प्रदान किया जायेगा। इसी के साथ मध्यप्रदेश सरकार द्वारा भारत सरकार की प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान के अंतर्गत खरीफ वर्ष 2025 में सोयाबीन खरीदी हेतु भावांतर भुगतान योजना लागू की गई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में किसानों को किसी भी प्रकार की कठिनाई नहीं होगी। डबल इंजन की सरकार किसानों के चहुंमुखी विकास में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। कार्यक्रम में महापौर श्रीमती मालती राय, कृषि सभापति श्री अशोक मीणा सम्राट, अध्यक्ष अनाज मंडी समिति श्री हरीश ज्ञानचंदानी, जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण और किसान भाई- बहन उपस्थित थे।

---

17 सितंबर तक पूरी होगी प्रक्रिया, इसके बाद घोषित होंगे युवा पदाधिकारियों के परिणाम

कांग्रेस के मेंबर बने 3.56 लाख युवाओं के आवेदन सुधरेंगे

भोपाल। युवा कांग्रेस चुनाव के बीच सदस्यता लेने वाले 3 लाख 56 हजार 302 युवाओं के सदस्यता आवेदन में हुई गलतियों का सुधार कांग्रेस कराएगी। सदस्यता आवेदन में सुधार की यह प्रक्रिया आज से शुरू हो गई है जो 17 अक्टूबर तक चलेगी। इसके बाद सुधार के आधार पर ऐसे युवाओं को कांग्रेस की मेंबरशिप देकर उनके वोट स्वीकार किए जाएंगे और युवा कांग्रेस पदाधिकारियों के पदाधिकारियों के निर्वाचन की लिस्ट घोषित की जाएगी। यह जानकारी युवा कांग्रेस के एमपी के रिटर्निंग अधिकारी मुकुल गुप्ता ने दी। गुप्ता ने कहा कि भारतीय युवा कांग्रेस के चुनाव की घोषणा 18 अप्रेल को की गई थी। इसके लिए नामांकन प्रक्रिया पूरी होने के बाद सदस्यता अभियान खत्म हो गया है। युवा कांग्रेस चुनाव के प्रदेश के रिटर्निंग अधिकारी मुकुल गुप्ता के अनुसार एमपी में सदस्यता अभियान के दौरान कुल 14 लाख 74 हजार 374 सदस्यता आवेदन मिले। इसमें संगठन की मानक प्रक्रिया का पालन कराने के बाद 5 लाख 16 हजार 155 सदस्यता आवेदन निरस्त किए गए हैं। इसके अलावा 3 लाख 56 हजार 302 सदस्यता आवेदन ऐसे हैं, जिनमें मामूली गलतियां है और संशोधन के लिए 11 अक्टूबर से 17 अक्टूबर तक का समय तय किया गया है। वहीं कुल सदस्यता आवेदन में से 6 लाख 1 हजार 917 युवाओं के आवेदन मान्य किए गए हैं। ऑन होल्ड सदस्यता के निर्धारित मापदंड पूरे होने के बाद उसे भी स्वीकृत मेंबर की कैटेगरी में शामिल किया जाएगा। इसके बाद मान्य और स्वीकृत सदस्यता के आधार पर युवा कांग्रेस अध्यक्ष, महामंत्री समेत अन्य पदाधिकारियों के चुनाव परिणाम घोषित किए जाएंगे। बता दें कि युवा कांग्रेस के पदाधिकारियों के लिए चुनाव की प्रक्रिया जुलाई में शुरू हुई थी जो अगस्त तक चली और अब युवा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष समेत अन्य दावेदारों के चुनाव परिणाम का इंतजार है।

समानता, पारदर्शिता, विनम्रता और सबको समय पर न्याय दिलाना ही है न्यायपालिका की मूल आत्मा

न्याय पाना हर नागरिक का मौलिक अधिकार : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि न्याय पाना देश के हर नागरिक का मौलिक, बुनियादी, मानवीय, नागरिक और संवैधानिक अधिकार है। उन्होंने कहा कि भारत की संघीय शासन व्यवस्था का आधार ही सबके जीवन, भोजन और स्वास्थ्य के अधिकारों की समान रूप से न्यायपूर्ण रक्षा करना है। उन्होंने कहा कि लोक कल्याणकारी राज्य का पहला दायित्व है कि देश का कोई भी व्यक्ति न्याय पाने से वंचित न रहे। न्याय और सुशासन न केवल राष्ट्र और समाज को मजबूत करते हैं, बल्कि शासन व्यवस्था को जवाबदेह भी बनाते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज का नया दौर न्याय का पथ गौरवान्वित करने वाला है। उच्चतम न्यायालय द्वारा बीते कुछ सालों में दिए गए कई निर्णयों ने देश को नई दिशा दी है। इससे न्याय व्यवस्था पर हमारी आस्था को और बल मिला है। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि युग बदले, दौर बदले, परंतु न्याय की आत्मा हमेशा वही रहेगी। समानता, पारदर्शिता, विनम्रता और सबको समय पर न्याय दिलाना ही न्यायपालिका की मूल आत्मा रही है और आगे भी रहेंगी। मुख्यमंत्री ने कहा है हमारे देश में न्याय की प्राचीन परंपरा रही है। न्याय देने की स्थापित व्यवस्था को और बेहतर बनाना हमारा लक्ष्य है। मुख्यमंत्री ने सुप्रीम कोर्ट के निर्णय की सराहना करते हुए कहा कि अब तो न्याय की देवी की आंखों की पट्टी भी खोल दी गई है। इसका आशय यह है कि अब न्याय की देवी खुली आंखों से न्याय कर सकेंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को इंदौर में आयोजित "इवोल्विंग होराइजन्स: नेविगेटिंग कॉम्प्लेक्सिटी एंड इनोवेशन इन कमर्शियल एंड आर्बिट्रेशन लॉ इन द डिजिटल वर्ल्ड" विषय पर आयोजित विधि विशेषज्ञों की अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस) के शुभारंभ सत्र को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उच्चतम न्यायलय के न्यायमूर्तिगणों के साथ दीप प्रज्ज्वलन कर इस संगोष्ठी का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के लिए इंदौर पधारे उच्चतम न्यायालय के सभी सम्मानीय न्यायमूर्तियों और देश-विदेश से आए विधि विशेषज्ञों, न्यायविदों तथा विद्यार्थियों का आभार जताते हुए कहा कि देश के सबसे स्वच्छतम शहर में न्याय प्रणाली के मंथन पर ऐसी विद्वत सभाओं का आयोजन हमें नई उम्मीद देता है, साथ ही और बेहतर करने की प्रेरणा भी देता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार न्याय प्रणाली को और अधिक सुलभ, सरल और प्रभावी बनाने के लिए निरंतर कदम उठा रही है। राज्य में प्रादेशिक और जिला स्तर के न्यायालयों की सुदृढ़ स्थापना के साथ-साथ मध्यप्रदेश में ग्राम न्यायालयों की व्यवस्था भी की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भारतीय न्याय परम्परा का उल्लेख करते हुए कहा कि न्याय हमारी संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है। हम सम्राट वीर विक्रमादित्य को कैसे भूल सकते हैं, जिन्होंने अपने बाल्यकाल से ही तत्समय भारत देश में न्याय और सुशासन की व्यवस्था का सूत्रपात किया था। हम उन्हीं के बताए मार्ग पर चल रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज देश में कानून के क्षेत्र में अनेक नवाचार हो रहे हैं, जिससे नागरिकों को अधिक अधिकार मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारों के साथ-साथ दायित्वों का पालन भी आवश्यक है उन्होंने कहा कि न्याय प्रणाली जितनी सहज और सरल होगी, नागरिक को उतनी ही जल्दी न्याय मिलेगा। हमारी सरकार का प्रयास है कि प्रत्येक नागरिक को सुगमता से न्याय मिले और उसकी आस्था

न्यायिक व्यवस्था पर सदैव बनी रहे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विशेष जोर देकर कहा कि आज के तेजी से विकसित होते तकनीकी युग में, न्यायपालिका को निरंतर मूल्यांकन और अनुकूलन उपायों पर काम करना चाहिए, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि न्याय प्रदान करना नवाचार में बाधा डाले बिना निष्पक्ष और पारदर्शी बना रहे। इससे भारत की अर्थव्यवस्था का विकास हो सके और साथ ही व्यापार करने में आसानी भी सुनिश्चित हो। उच्चतम न्यायालय के न्यायाधिपति न्यायमूर्ति श्री जितेन्द्र कुमार माहेश्वरी ने कहा कि न्यायपालिका का लक्ष्य कानून का पुनर्निर्माण करना नहीं है, बल्कि निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा के विचार को सीमित किए बिना निष्पक्षता की सीमाओं का विस्तार करना है। उन्होंने आगे कहा कि आधुनिक अर्थव्यवस्था में, डेटा पर नियंत्रण केवल फर्मों या कंपनियों के स्वामित्व से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गया है, और इसलिए, आर्थिक विकास को बाधित किए बिना पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित की जानी चाहिए। उच्चतम न्यायालय के न्यायाधिपति न्यायमूर्ति श्री अहसानुद्दीन अमानुल्लाह ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कानूनी पेशा तकनीकी प्रगति का अपवाद नहीं रह सकता। प्रौद्योगिकी-संचालित और स्वचालित अनुबंधों के उदय के साथ, न्यायपालिका को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि तकनीकी विकास के कारण न्याय से समझौता न हो और इन प्रगति के साथ विकसित होना चाहिए। उच्चतम न्यायालय के न्यायाधिपति न्यायमूर्ति श्री राजेश बिंदल ने कहा कि जैसे-जैसे व्यापार का विस्तार होता है, विवाद स्वाभाविक रूप से बढ़ते हैं और इसका समाधान न्यायपालिका में ही निहित है। चूँकि भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा है, इसलिए हमारी मानसिकता में बदलाव लाने और सभी हितधारकों को विशेष प्रशिक्षण प्रदान करने की तत्काल आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस उपयोगी तो है, लेकिन यह पेटेंट और पंजीकरण जैसे क्षेत्रों में नई चुनौतियाँ भी प्रस्तुत करता है। उच्चतम न्यायालय के न्यायाधिपति न्यायमूर्ति श्री अरविंद कुमार ने कहा कि भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था का केवल एक भागीदार ही नहीं, बल्कि एक निमार्ता भी है। न्याय से समझौता किए बिना, व्यापार में सुगमता और नवाचार को साथ-साथ आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने न्यायनिर्णयन से सहयोग और मध्यस्थता से नवाचार की ओर बदलाव पर जोर दिया और कानूनी बिरादरी के लिए तदनुसार अनुकूलन की आवश्यकता पर बल दिया। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधिपति न्यायमूर्ति श्री संजीव सचदेवा ने "विकसित होते क्षितिज: डिजिटल दुनिया में वाणिज्यिक और मध्यस्थता कानून में जटिलता और नवाचार को नेविगेट करना" विषय पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और उच्चतम न्यायालय के न्यायाधिपति न्यायमूर्ति श्री जे.के. माहेश्वरी, सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशगण और अन्य न्यायाधीशगणों और विदेशी प्रतिनिधियों का स्वागत किया। उन्होंने पारदर्शिता, दक्षता और कानून के शासन को बनाए रखते हुए तकनीकी परिवर्तन के अनुकूल होने में न्यायपालिका की भूमिका पर बल दिया। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि मध्यप्रदेश कानूनी और तकनीकी नवाचार का केंद्र बनने के लिए अच्छी स्थिति में है, जो वाणिज्य एवं व्यापार करने में आसानी के राष्ट्रीय लक्ष्य के बेहद अनुरूप है। भारत के सॉलिसिटर जनरल श्री तुषार मेहता ने अपने संबोधन में कहा कि कानूनों को तकनीकी प्रगति के अधीन हुए बिना उनके साथ विकसित होना चाहिए। मध्यस्थ दायित्व और एआई-सहायता प्राप्त याचिकाओं के प्रारूपण जैसे उभरते मुद्दों पर सावधानीपूर्वक विचार करने की आवश्यकता है। उन्होंने इस संगोष्ठी की सराहना ऐसी उभरती चुनौतियों पर विचार-विमर्श के लिए एक महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय पहल के रूप में की। डेनिश पेटेंट एवं ट्रेडमार्क कार्यालय की उप महानिदेशक सुश्री मारिया स्कोउ ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि भारत और डेनमार्क के बीच वाणिज्यिक और मध्यस्थता संबंधी मामलों में परस्पर सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि वैश्विक अर्थव्यवस्थाएं बड़ी तेजी से आपस में जुड़ती जा रही हैं। इस अवसर पर मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय की तीन नई तकनीकी पहलों का भी गणमान्य व्यक्तियों द्वारा उद्घाटन किया गया। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय, इंदौर पीठ के प्रशासनिक न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री विवेक रूसिया द्वारा सभी अतिथियों का परिचय कराया गया। संगोष्ठी में ऑनलाइन इंटर्नशिप फॉर्म जमा करने का सॉफ्टवेयर, केस डायरी की ऑनलाइन संचार प्रणाली, और समझौता योग्य अपराधों के लिए "समाधान आपके द्वार" के बारे में बताया गया। संगोष्ठी के शुभारंभ सत्र के समापन पर मध्यप्रदेश राज्य न्यायिक अकादमी, जबलपुर के अध्यक्ष न्यायमूर्ति श्री विवेक अग्रवाल द्वारा सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का धन्यवाद एवं आभार ज्ञापित किया गया। इंदौर में दो दिवसीय यह अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी देश के प्रतिष्ठित न्यायाधीशों, कानूनी विद्वानों और वैश्विक विशेषज्ञों को डिजिटल परिवर्तन से उभरने वाली कानूनी चुनौतियों पर विचार-विमर्श के लिए आयोजित की गई है। संगोष्ठी के तकनीकी सत्र में प्रौद्योगिकी के युग में वाणिज्यिक कानून, इंटरनेट मध्यस्थ दायित्व, ऑनलाइन प्रतिस्पर्धा, भारत-यूरोपीय संघ मध्यस्थता परिप्रेक्ष्य, ऑनलाइन अवैधताओं का आपराधिक प्रवर्तन और बौद्धिक सम्पदा एवं नवाचार के बीच संबंध सहित महत्वपूर्ण विषयों को शामिल किया गया।

जिला अस्पताल प्रबंधक पर दुष्कर्म का मामला दर्ज

नौकरी का झांसा देकर घर बुलाकर किया दुष्कर्म

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। विगत दिवस थाना क्षेत्र कोतवाली निवासी महिला द्वारा थाने पहुंच कर दुष्कर्म का मामला दर्ज कराया पुलिस ने बताया कि जिला अस्पताल के प्रबंधक अजीत तिवारी पर एक महिला ने दुष्कर्म का आरोप लगाया है। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और फरार हुए तिवारी की तलाश शुरू कर दी है। बताया गया महिला को आरोपी द्वारा नौकरी का झांसा देकर घर बुलाया गया उसके बाद महिला के साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया गया।

खाना बनाने का काम करती थी महिला

पीड़िता ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि वह अपने पति और बच्चों के साथ शहर में किराए के मकान में रहती है। अगस्त-सितंबर माह में उसने जिला अस्पताल नरसिंहपुर में मरीजों के लिए खाना बनाने का काम किया था। जिससे अस्पताल प्रबंधक होने के कारण परिचय हो गया था। इसी दौरान आरोपी अजीत तिवारी ने उसे अस्पताल में बेहतर नौकरी दिलाने का लालच दिया था। आरोपी द्वारा महिला को नौकरी का झांसा देकर घर बुलाया गया और घटना को अंजाम दिया गया। घटना के बाद से आरोपी फरार बताया जा रहा है। पुलिस ने पीड़िता की रिपोर्ट पर मामला पंजीबद्ध कर लिया गया है।

आरोपी की तलाश में पुलिस

उक्त में पुलिस द्वारा बताया गया कि महिला की शिकायत पर अस्पताल प्रबंधक अजीत तिवारी के विरूद्ध मामला पंजीबद्ध कर लिया गया है तथा आरोपी की तलाश जारी है। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी फरार हो गया। एसडीओपी मनोज गुप्ता ने बताया कि महिला किसी काम के सिलसिले में आरोपी के घर गई थी। दस्तावेज देने के बाद आरोपी ने इस घटना को अंजाम दिया। महिला की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है। अब देखना होगा कि पुलिस आरोपी को कब तक पकड़ने मे सफलता प्राप्त कर पाती है।

नौकरी के लिए पहुंची महिला

पीड़िता के अनुसार उसके द्वारा 4 सितंबर से जिला अस्पताल मे खाना बनाने का काम छोड़ चुकी थी। महिला काम तलाश में थी इस संबंध में कई बार अजीत से बात करने के बाद 9 अक्टूबर की शाम करीब 5:30 बजे वह अजीत तिवारी के घर काम की बात करने गई। पीड़ित ने बताया कि अजीत ने उसे घर के अंदर बुलाया और फिर अश्लील हरकतें करने लगा। जब उसने विरोध किया, तो आरोपी ने दरवाजा बंद कर दिया और बलपूर्वक दुष्कर्म किया। महिला के चिल्लाने पर भी किसी को पता नहीं चल सका, क्योंकि कमरा घर के अंदरूनी हिस्से में था। पीड़ित किसी तरह वहां से बाहर निकली और सीधे थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने पीड़ित का चिकित्सीय परीक्षण कराया है।

मानसिक स्वास्थ्य दिवस के तहत व्याख्यानमाला का आयोजन

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। गत दिवस प्रधानमंत्री कॉलेज आफ एक्सीलेंस स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में उच्च शिक्षा विभाग के आदेश अनुसार प्राचार्य डॉक्टर आर. बी. सिंह के मार्गदर्शन एवं भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ संयोजक श्रीमती प्रीति कौरव के निर्देशन में भारतीय ज्ञान परंपरा के त्रैमासिक कैलेंडर के अनुसार विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अंतर्गत व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में मनोविज्ञान विभाग की विभाग अध्यक्ष श्रीमती सुधा विकरोल के द्वारा छात्रों को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। साथ ही मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभावों के कारण एवं परीक्षण के माध्यम से निवारण के संबंध में जानकारी प्रदान की। श्रीमती विकरोल के द्वारा विद्यार्थियों की मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित शंकाओं का समाधान किया गया। इस कार्यक्रम में डॉ. अमित कुमार ताम्रकार, प्रो. जी. एस. मर्सकोले, सुश्री इंदु सिंह, गोविंद मेहरा, प्रशांत शर्मा ने भी मानसिक स्वास्थ्य से सम्बंधित अपने विचार विद्यार्थियों के साथ साझा किए। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती प्रीति कौरव के द्वारा किया गया। परामर्श सत्र के अंतर्गत मनोविज्ञान विभाग में विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों का प्रश्नावली के द्वारा मानसिक स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्साह पूर्वक संपूर्ण सत्र में अपनी सहभागिता सुनिश्चित की।

नशा मुक्त ग्राम बनाने की रखी मांग , सौंपा ज्ञापन

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। गत दिवस थाना क्षेत्र मुंगवानी के ग्राम पिपरिया निवासी ग्रामीणों द्वारा पुलिस अधीक्षक को एक ज्ञापन सौंपा। ग्राम पंचायत पिपरिया के ग्रामीणों ने गांव में अंग्रेजी और देसी शराब पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग की है। ग्रामीणों ने बताया कि 3 सितंबर 2025 को सर्व समाज और ग्राम के लोगों की एक बैठक आयोजित की गई थी। इस बैठक में नशामुक्त ग्राम बनाने का संकल्प लिया गया। सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि यदि कोई व्यक्ति गांव में शराब बनाता या बेचता पाया जाता है, तो उसके खिलाफ सामाजिक और कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उसे सामाजिक कार्यक्रमों से भी बहिष्कृत किया जाएगा। ग्रामवासियों ने अपनी शिकायत में उल्लेख किया कि शराब के सेवन से गांव, परिवार और समाज पर गलत प्रभाव पड़ रहा है। नशे की वजह से कई बार झगड़े, चोरी और अन्य आपराधिक घटनाएं भी सामने आती हैं, जिससे गांव के सामाजिक और धार्मिक वातावरण पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। ग्रामीणों ने पुलिस अधीक्षक से मांग की है कि गांव में शराब की बिक्री और निर्माण पर सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने नशा मुक्ति अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने का भी आग्रह किया। इस दौरान महेश, हेमराज, बसारी, दमालु सिंह, बलीराम, अभिषेक, कृष्णा शंकर सहित कई ग्रामीण उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि गांव में सामाजिक एकता और शांति बनाए रखने के लिए शराब पर रोक लगाना आवश्यक है।

जेल में एड्स जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। म.प्र. राज्य एड्स नियंत्रण समिति भोपाल के नेतृत्व में आज 09 अक्टूबर, 2025 को केन्द्रीय जेल में डॉ प्रशांत सोनी नोडल अधिकारी, मप्र राज्य एड्स नियंत्रण समिति नरसिंहपुर, डॉ इमाम मंसूरी काउंसलर, डॉ रामूप्रसाद रजक पी.पी.सी. एवं डॉ चंदड़ पाटकर की उपस्थिति में लोक कला प्रस्तुति अभियान के तहत समरयश नाट्य संस्था जबलपुर की टीम प्रियंक कश्यप, प्रकाश साहू, गोलू अहिरवार, हर्षित कहार, रंजीत पटेल, निलेश, जय जेतवानी, श्रीमती नीशा ठाकुर एवं श्रीमती आरती बर्मन द्वारा नाट्य के माध्यम से एड्स जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में टीम द्वारा अभियान के तहत बंदियों को बताया गया कि व्यक्ति ग्रामीण क्षेत्र से शहरी क्षेत्र में पलायन कर धुम्रपान, शराब एवं नशीले पदार्थो के सेवन कर असुरक्षित यौन संबंध बनने से एच.आई.व्ही. एड्स से कैसे ग्रसित होता है, नाटक के माध्यम से बंदियों को अवगत कराया गया। उक्त आयोजन में जेल अधीक्षक अजमेर सिंह ठाकुर सहित समस्त सुरक्षा स्टॉफ उपस्थित रहा।

मतदाता सूची की वार्षिक पुनरीक्षण संबंधी बैठक सम्पन्न

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। प्रभारी कलेक्टर व सीईओ जिला पंचायत गजेन्द्र सिंह नागेश की अध्यक्षता में राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी नगर पालिकाओं एवं पंचायतों की मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण वर्ष 2025 के कार्यक्रम के अनुसार कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में शुक्रवार को समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में राजनीतिक दलों एवं नगर पालिका नरसिंहपुर के पार्षदगण, जिला पंचायत के सदस्य व अन्य निकायों के जनप्रतिनिधि और अधिकारी- कर्मचारी मौजूद थे। बैठक में जनप्रतिनिधियों को मतदाता सूची पुनरीक्षण से संबंधित जानकारी से अवगत कराया गया। मतदाता सूची का सार्वजनिक प्रकाशन निर्धारित स्थलों में 8 अक्टूबर को किया जा चुका है। मतदाता पुनरीक्षण के संबंध में 8 से 17 अक्टूबर 2025 को अपरान्ह 3 बजे तक दावा- आपत्ति संबंधित केन्द्र पर नियुक्त प्राधिकृत कर्मचारियों द्वारा प्राप्त किए जाएंगे। उप जिला निर्वाचन अधिकारी स्थानीय निर्वाचन नरसिंहपुर ने बताया कि समस्त मतदाताओं को मतदाता सूची में नाम जुड़वाने, नाम काटने या संशोधन करवाने के लिए नगरीय निकाय के संबंधित शाला में और ग्राम पंचायतों के ग्राम पंचायत भवनों में दावा- आपत्ति केन्द्र नियत किए गए हैं। मतदाता निर्धारित दिनांक और समय पर उपस्थित होकर अपने नाम की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं और दावा- आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं।

अवैध हथियारों के साथ तीन आरोपी गिरफ्तार

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। गत दिवस थाना क्षेत्र ठेमी पुलिस द्वारा अवैध हथियारों के साथ तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि विश्वस्त मुखबिर के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई कि कुछ व्यक्ति क्षेत्र में अवैध हथियार लेकर घूम रहे है। सूचना पर तत्काल कार्यवाही करते हुए पुलिस ने घेराबंदी कर तीन आरोपियों को अवैध हथियारों सहित गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। आरोपी अजय राजपूत निवासी गढ़रियाखेड़ा, थाना ठेमी, साबिर खान निवासी गोटेगांव, मो. बिलाल निवासी गोटेगांव के कब्जे से 2 देशी कट्टे, 1 देशी पिस्टल एवं 3 जिंदा कारतूस जब्त किया गया। आरोपियों के विरूद्ध थाना ठेमी में धारा 25 (1), (ए), 25 (1), (बी), 27 आर्म्स एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया।

रेलवे अस्पताल में स्वास्थ्य परीक्षण का आयोजन

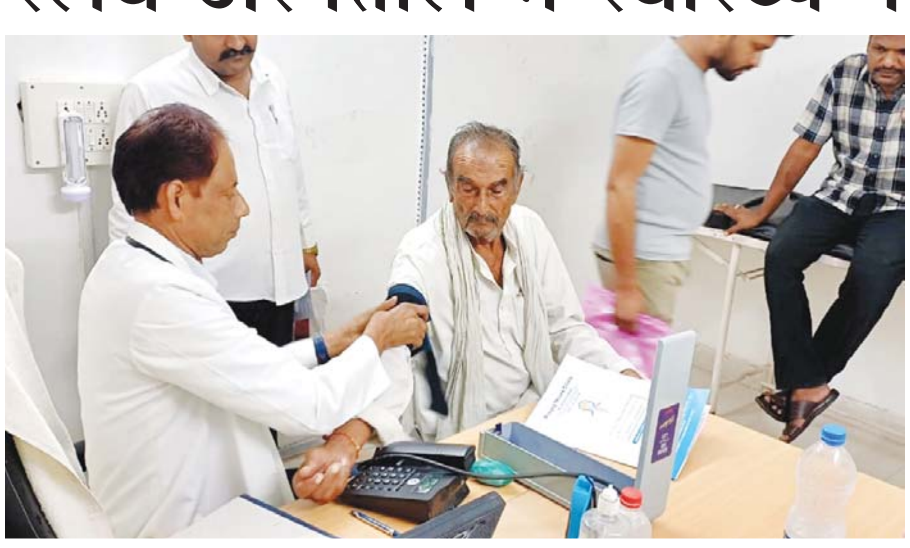

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर नरसिंहपुर एवं पिपरिया रेलवे अस्पताल में शुक्रवार को जागरूकता कार्यक्रम किया गया। इसमें रेलवे कर्मचारियों और उनके परिजनों को मानसिक स्वास्थ्य के महत्व के प्रति जागरूक किया गया। रेलवे डॉक्टर आर.आर. कुर्रे ने सभी उपस्थित लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया और उन्हें आवश्यक परामर्श व उपचार प्रदान किया। डॉ. कुर्रे ने बताया कि विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस 2025 की थीम सेवाओं तक पहुंच, आपदाओं एवं आपात स्थिति में मानसिक स्वास्थ्य रखी गई है। इस थीम का उद्देश्य यह संदेश देना है कि मानसिक स्वास्थ्य देखभाल हर व्यक्ति का अधिकार है और आपात स्थितियों में इसकी सुलभता, सांस्कृतिक संवेदनशीलता और जागरूकता अत्यंत आवश्यक है। डॉ. कुर्रे ने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, अवसाद और चिंता जैसी मानसिक समस्याएं कार्य स्थलों पर तेजी से बढ़ रही हैं, जिनका समय पर इलाज न होने पर गंभीर आर्थिक और सामाजिक प्रभाव पड़ सकता है।

खेल/व्यापार

आपसी विवाद के बीच हुई टाटा ट्रस्ट की बोर्ड मीटिंग खत्म, जानें किन मुद्दों पर हुई चर्चा

दैनिक रेवांचल टाइम्स एजेंसी। टाटा ग्रुप की कंपनियों को कंट्रोल करने वाले टाटा ट्रस्ट के अलग-अलग ट्रस्टियों के बीच जारी खींचतान के बीच शुक्रवार को ट्रस्ट के बोर्ड की एक मीटिंग आयोजित की गई। इस मीटिंग में ट्रस्ट से जुड़े रोजमर्रा के मुद्दों पर चर्चा की गई और किसी भी विवादास्पद विषय को नहीं उठाया गया। एक सूत्र ने कहा, "ये एक सामान्य बैठक थी और इसमें कोई भी विवादास्पद मुद्दा नहीं उठाया गया। बैठक में अलग-अलग अस्पतालों और ग्रामीण विकास परियोजनाओं के बारे में प्रस्तुतियां दी गईं।" सूत्र ने यह भी बताया कि बोर्ड मीटिंग में पिछले किसी विवाद का उल्लेख नहीं किया गया। ये मीटिंग टाटा ट्रस्ट के टॉप लीडरशिप के मंगलवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात के बाद हुई है। टाटा ट्रस्ट के चेयरमैन

नोएल टाटा और टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने मंगलवार को अमित शाह और निर्मला सीतारमण से मुलाकात की थी। संपर्क करने पर टाटा ट्रस्ट ने मीटिंग के ब्योरे को लेकर कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। हालांकि, अलग-अलग रिपोर्ट में कहा गया है कि मीटिंग का एजेंडा मुख्य रूप से नियमित परमार्थ गतिविधियों और स्वास्थ्य देखभाल परियोजनाओं के लिए वित्तीय प्रस्तावों की समीक्षा पर केंद्रित था। ये मीटिंग टाटा ट्रस्ट के ट्रस्टी के बीच बोर्ड नियुक्तियों और प्रशासन संबंधी विवाद के बीच हुई है, जो लगभग 180 अरब डॉलर के समूह के कार्यों को प्रभावित कर सकता है।

दो गुटों में बंट गया है टाटा ट्रस्ट

सूत्रों के अनुसार, टाटा ट्रस्ट इस समय दो गुटों में बंट गया है। एक गुट नोएल टाटा के साथ है। नोएल टाटा को रतन टाटा के निधन के बाद ट्रस्ट का चेयरमैन नियुक्त किया गया था। दूसरे गुट में चार ट्रस्टी शामिल हैं जिनका नेतृत्व मेहली मिस्त्री कर रहे हैं। उनका संबंध शापूरजी पलोनजी परिवार से है। शापूरजी पलोनजी परिवार टाटा संस में लगभग 18.37 प्रतिशत हिस्सा रखता है। रिपोर्ट के मुताबिक, मेहली मिस्त्री को ये लगता है कि उन्हें महत्वपूर्ण मामलों से बाहर रखा गया है। सूत्रों के मुताबिक, विवाद का मुख्य कारण टाटा संस के निदेशक मंडल में नियुक्तियां हैं। टाटा संस ही 156 साल पुराने ग्रुप को कंट्रोल करने वाली प्रोमोटर कंपनी है।

इंटरनेशनल क्रिकेट में रिटायरमेंट ले चुके प्लेयर ने 467 दिन बाद की वापसी, सिर्फ एक रन बनाकर लौटा पवेलियन

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट के खेल में अक्सर कई बार ऐसी चीजें देखने को मिलती हैं, जिसकी उम्मीद किसी को नहीं होती है। ऐसा ही पिछले कुछ सालों में देखने को मिला है, जिसमें कई खिलाड़ियों ने अचानक इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायरमेंट का ऐलान करने के साथ चौंका दिया। हालांकि इसमें से कुछ प्लेयर ऐसे भी हैं, जिन्होंने बाद में अपने इस फैसले को वापस लेने के साथ फिर से मैदान पर अपने देश की तरफ से खेलने का फैसला लिया। अब इस लिस्ट में एक नाम साउथ अफ्रीका टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक का भी जुड़ गया है, जिन्होंने साल 2024 में टी20 वर्ल्ड कप 2024 का फाइनल मुकाबला खेलने के साथ इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायरमेंट वापस ले लिया था। क्विंटन डी कॉक ने कुछ समय पहले इंटरनेशनल क्रिकेट से अपने रिटायरमेंट के फैसले को वापस लेने के साथ फिर से देश के लिए खेलने का फैसला लिया। हालांकि डी कॉक की वापसी बिल्कुल भी उम्मीद के अनुसार नहीं रही जिसमें नामीबिया के खिलाफ एक मैच की टी20 सीरीज के मुकाबले में वह सिर्फ एक रन बनाकर पवेलियन लौट गए। डी कॉक ने इस दौरान अपनी पारी में सिर्फ चार गेंदों का सामना किया। क्विंटन डी कॉक एक समय साउथ अफ्रीकी टीम की बल्लेबाजी के अहम प्लेयर्स में से एक थे, जिसमें अब उनकी फिर से वापसी के बाद क्या बल्ला उसी तरह से बोलता हुआ दिखाई देगा या नहीं इसको लेकर सवाल जरूर खड़े होंगे। क्योंकि अगले साल टी20 वर्ल्ड कप और फिर साल 2027 में वनडे वर्ल्ड कप खेला जाना है, जिसमें डी कॉक की भूमिका काफी अहम रहने वाली है। नामीबिया जो साल 2027 में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप की संयुक्त मेजबान है वह अपने देश में पहली बार कोई इंटरनेशनल मुकाबला खेल रही है। साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी20 मैच में नामीबिया की तरफ से गेंदबाजी में शानदार प्रदर्शन देखने को मिला जिसमें उन्होंने 20 ओवर्स में सिर्फ 134 के स्कोर पर अफ्रीकी टीम को रोक दिया। नामीबिया की तरफ से गेंदबाजी में ट्रम्पेलमैन ने सबसे ज्यादा तीन विकेट हासिल किए, इसके अलावा मैक्स हेइंगो ने 2 विकेट अपने नाम किए।

गरीबों के हिस्से में इल्ली, घुन और शर्म!.... सरकार बताये, क्या अब जनता की थाली में जहर परोसा जाएगा?

गरीबों के हिस्से में सड़ा अनाज, अफसरों के हिस्से में मौन!

पार्षद शफीक हीरा ने कहा....

मैं जब मौके पर पहुँचा, तो स्थिति देखकर मेरे होश उड़ गए। हर बोरे में इल्ली और कीड़े बिलबिला रहे थे। यह वही अनाज था जो गरीब जनता को बांटा जाना था। सोचिए, अगर यह चावल और गेहूं हितग्राहियों तक पहुँच जाता तो न जाने कितने घरों में बीमारी फैल जाती। दुकानदार ने समय रहते विभाग को सूचना देकर जनता को बचा लिया, वरना यह एक बड़ी त्रासदी बन सकती थी।

उन्होंने आगे कहा .....

मैंने तुरंत कनिष्ठ पूर्ति अधिकारी ब्रजेश जाटव को फोन किया। वे सहकारिता निरीक्षक अमित ठाकुर के साथ आए, लेकिन पूरे मामले को गंभीरता से लेने के बजाय ऐसे पेश आए जैसे किसी औपचारिक भ्रमण पर हों। ब्रजेश जाटव ने बिना किसी से बात किए, अपने मन से ही रिपोर्ट बना दी और सारा दोष दुकानदार पर मढ़ दिया।

पार्षद का आरोप है कि...

सच्चाई यह है कि दुकानदार को जो अनाज मिला, वह पहले से ही सड़ा हुआ था। उसने इसकी सूचना विभाग को पहले ही दे दी थी। इसके बावजूद विभाग ने कार्रवाई नहीं की। यह पूरे खाद्य आपूर्ति तंत्र की लापरवाही है, जिसमें गरीबों की थाली तक सड़ांध पहुँच रही है।

शफीक हीरा ने स्पष्ट चेतावनी दी...

कांग्रेस इस मामले को लेकर चुप नहीं बैठेगी। अगर दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई नहीं हुई, तो हम सड़क पर उतरकर उग्र आंदोलन करेंगे। सरकार को यह समझना होगा कि गरीबों की थाली में अब इल्ली और घुन नहीं, इज्जत चाहिए।

राशन की थैली नहीं, शर्म का बोरा बंटा गरीबों में अफसरों के कपड़ों पर चढ़ी इल्ली, लेकिन जमीर फिर भी नहीं जागा पार्षद शफीक हीरा बोले .... गरीब इंसान हैं, जानवर नहीं! जांच के नाम पर खाना-पूर्ति, दोष दुकानदार पर मढ़कर भागे अफसर सहकारिता विभाग के अधिकारी बाहर टहलते रहे, अंदर जनता का भरोसा मरता रहा सरकार बताये .... क्या अब राशन में मिलेगा प्रोटीन पैक इल्ली मिक्स? कांग्रेस की चेतावनी .... अबकी बार सड़क पर उतरेंगे, जवाब लेंगे

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। कभी सोचा है कि जब आपको मिलने वाला सरकारी राशन .... वह अनाज जिसे गरीब का हक कहा जाता है .... अगर जहर बन जाए तो? जब चावल के साथ इल्ली और गेहूं के साथ घुन थैले से नहीं, बल्कि शासन की नीयत से टपकने लगें, तो सवाल सिर्फ अनाज का नहीं, पूरी व्यवस्था की सड़ांध का होता है। रामनगर रद्दी चौकी की दो राशन दुकानों पर यही हुआ। वहां बोरों में चावल नहीं, सड़ांध भरा कीड़ा-प्रोटीन था। दृश्य इतना घिनौना था कि जानवर भी सूंघकर किनारा कर जाएं। दुकानदार खुद हिल गया .... उसने तत्काल क्षेत्रीय पार्षद शफीक हीरा को सूचना दी। और देखते ही देखते इलाके में हड़कंप मच गया।

अनाज नहीं, शर्म बंट रही थी गरीबों में

पार्षद मौके पर पहुंचे, तो इल्ली और कीड़े literally बिलबिला रहे थे .... बोरे से बाहर रेंगते हुए। पार्षद ने तुरंत खाद्य विभाग के कनिष्ठ पूर्ति अधिकारी ब्रजेश जाटव को फोन लगाया। कुछ देर में वे सहकारिता निरीक्षक अमित ठाकुर के साथ पहुंचे, पर जैसे-तैसे सिर्फ तीन-चार पन्ने लिखे और निकलने को हुए। ना किसी से पूछा, ना नमूना लिया, ना एक शब्द जनता से। और जब साइन करवाने की बारी आई, तो सभी हैरान .... रिपोर्ट में सारा दोष दुकानदार पर मढ़ दिया गया!

अरे जनाब, दोष किसका है?

पार्षद शफीक हीरा और मौजूद जनता ने विरोध किया। दुकानदार ने बताया कि यह सड़ा हुआ अनाज उसे विभाग से ही मिला था, जिसकी शिकायत उसने पहले ही कर दी थी। पर विभागीय अफसर अपनी जिम्मेदारी से बचने की कोशिश करते रहे। इतना खराब था अनाज कि अधिकारी खुद दो घंटे में ऊब गए .... और उनके कपड़ों पर भी इल्ली चढ़ने लगी! सोचिए... अगर यह अनाज हितग्राहियों तक पहुंच गया होता तो? कितने बच्चे, कितनी माताएं, कितने बुजुर्ग बीमार पड़ जाते!

जनता भूखी नहीं, मजबूर है!

सहकारिता विभाग के अधिकारी बाहर टहलते रहे .... शायद किसी बड़े साहब का फोन आने का इंतजार कर रहे थे। और कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी अंदर सिर्फ औपचारिकता निभा रहे थे। हर माह निरीक्षण उनका दायित्व है, लेकिन कागज पर निरीक्षण और जमीन पर भ्रष्टाचार का यह फर्क अब जनता समझ चुकी है। पार्षद शफीक हीरा ने जब सवाल उठाया कि आपका काम क्या है? .... तो माहौल तमतमा गया।

उन्होंने सीधा पूछा ....

क्या सरकार को नहीं दिखता कि गरीबों को जानवरों से भी बदतर अनाज दिया जा रहा है? क्या यही है गरीबी उन्मूलन की नीति?

प्रशासन का तमाशा .... जब निरीक्षक घूमने निकले थे!

- अब जरा सुनिए उस विभागीय जवाबदेही की कहानी, जिस पर जनता का हक टिका है।
- सहकारिता निरीक्षक अमित ठाकुर का साफ कहना था ....
- मेरा यहाँ कोई काम नहीं है, मैं तो कनिष्ठ पूर्ति अधिकारी ब्रजेश जाटव के साथ यूँ ही घूमने आ गया हूँ।
- यानी सरकारी जांच नहीं, पिकनिक पर निकले थे अधिकारी!
- और बाहर अमित ठाकुर टहल रहे थे, जबकि अंदर ब्रजेश जाटव बिना किसी से पूछे, बिना बयान लिए, अपने ही मन से सबके बयान खुद लिख रहे थे!
- जनता देखती रही, पार्षद हैरान खड़े रहे ....
- और ये साहब कार्रवाई के नाम पर कलम चला रहे थे जैसे किसी उपन्यास का आखिरी अध्याय लिख रहे हों।
- सवाल उठता है .... जब अधिकारी खुद कहते हैं कि हमारा यहाँ कोई काम नहीं
- तो फिर जनता के अधिकारों का काम कौन करेगा?
- और अगर जांच इतनी औपचारिक है कि उसका मकसद सच्चाई नहीं, फाइल बंद करना है,
- तो फिर ये पूरी व्यवस्था घोटाले की नहीं, धोखे की मशीन बन चुकी है।

प्रोटीन योजना पर जनता की तंज!

वहीं भीड़ में किसी ने कड़वी हंसी के साथ कहा .... अच्छा है, सरकार अब चावल के साथ इल्ली और कीड़ों का प्रोटीन भी मुफ्त में दे रही है ये वाक्य सटीक थे .... क्योंकि जो दृश्य था, वह गरीबी नहीं, सरकारी बेरुखी का जिंदा सबूत था। पत्रकार और स्थानीय लोग भी वहीं मौजूद थे .... और सच कहें तो, इल्ली सिर्फ अनाज में नहीं, अब इस सिस्टम की नसों में भी बस चुकी है।

कांग्रेस बोलेगी, चुप नहीं बैठेगी

कांग्रेस पार्षद शफीक हीरा ने साफ कहा .... कांग्रेस इस मामले में चुप नहीं बैठेगी। यह गरीबों के सम्मान और सेहत का सवाल है। हम उग्र प्रदर्शन करेंगे, और दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग करेंगे। यह सिर्फ एक घटना नहीं है .... यह उस सोच की पोल है, जिसमें गरीब का जीवन सस्ता और उसका भोजन बेकार समझा जाता है। सरकारें बदलती हैं, नारे बदलते हैं, लेकिन थाली में आज भी इल्ली वही है। अगर यह शासन की लापरवाही नहीं तो फिर क्या है? गरीब सिर्फ वोट देने के लिए नहीं, जीने के लिए भी इंसान है .... इसे याद रखिए, वरना अगली बार अनाज में कीड़े नहीं, गुस्सा मिलेगा .... जनता का गुस्सा।

मुहम्मद अनवार बाबू

ये जो मुट्ठीभर चावल आप देख रहे हैं... इसमें आधे दाने नहीं, आधी सफेद इल्लियाँ हैं!

हाँ, यही सरकारी अनाज गरीब की थाली में जाने वाला था .... उस गरीब की थाली में, जो हर महीने घंटों लाइन में लगकर दो मुट्ठी इंसानियत की उम्मीद करता है। लेकिन सरकार ने उसे इंसान नहीं समझा .... शायद किसी प्रयोगशाला का नमूना समझ लिया, जहाँ प्रोटीन सप्लीमेंट के नाम पर अब इल्ली और घुन परोसे जा रहे हैं। यह दृश्य सिर्फ गंदगी नहीं था, यह व्यवस्था के सड़ चुके जमीर का आईना था। बोरों से नहीं, प्रणाली से बदबू उठ रही थी। अफसर फाइलें भर रहे थे, और गरीब की थाली में कीड़े रेंग रहे थे। सवाल यह नहीं कि चावल में इल्ली कैसे आई .... सवाल यह है कि कब तक यह देश अपने गरीबों के हिस्से में सड़ांध बाँटता रहेगा? रामनगर रद्दी चौकी की यह घटना कोई अपवाद नहीं .... यह उस व्यवस्थित अपराध का नमूना है जहाँ अफसर निरीक्षण रिपोर्ट लिखते हैं, पर हकीकत से आंख चुराते हैं। वो इल्ली जो आज चावल में दिख रही है, कल हमारी चुप्पी में पलने वाली सफेद चुपचाप रेंगती हुई सच्चाई बन जाएगी। सरकारें घोषणाएँ करती हैं .... किसी को भूखा नहीं रहने देंगे। लेकिन भूख मिटाने के नाम पर अगर पेट में जहर भरना ही नीति बन गई है, तो यह सिर्फ नाकामी नहीं, राष्ट्रीय शर्म है। आज सवाल सिर्फ चावल में इल्ली का नहीं, सवाल उस सोच का है जो गरीब को वोट देने तक सीमित समझती है, जीने के अधिकार से नहीं। और अगर यही चलता रहा .... तो कल सड़कों पर यही गरीब पूछेगाः क्या हम भी इंसान हैं, या इस सिस्टम के लिए सिर्फ फाइल के नंबर?

वनमाली सप्रे स्मृति महोत्सव, सितार एवं तबला वादन से श्रोता हुए मंत्रमुग्ध

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। वनमाली सप्रे स्मृति महोत्सव के अंतर्गत शनिवार 11 अक्टूबर को सायं खचाखच भरे शहीद स्मारक सभागृह में शास्त्रीय संगीत सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथी डॉ. जगदीश चंद्र गौर, वरिष्ठ चिकित्सक एवं श्री सुरेश अग्रवाल वरिष्ठ प्रचारक, रा. स्व.संघ रहे। कार्यक्रम की प्रथम प्रस्तुति में बंगलोर से पधारे 10 वर्षीय बालक मास्टर प्रद्युम्न करपूर का तबला वादन रहा. तालयोगी पंडित सुरेश तलवलकर जी के युवा शिष्य प्रद्युम्न ने अपने तबला वादन का आरंभ ताल झपताल से किया। इसमे आपने पेशकार, कायदा, मुखडे, तुकडे, रेला, परण, तिहाई, चक्करदार आदि प्रकारो को अत्यंत स्पष्टता एवं शुद्धता के साथ प्रस्तुत कर श्रोताओ को मंत्रमुग्ध कर दिया. आपके साथ हार्मोनियम पर पुणे से पधारे श्री आकार श्रुती ने अत्यंत मधुर एवं सुलझी हुई संगत कर श्रोताओ की वाह वाही लुटी। कार्यक्रम के द्वितीय प्रस्तुती में आई.टी.सी. संगीत रिसर्च अकादमी कोलकाता से पधारे श्री अयान सेनगुप्ता ने अपने सितार वादन की सुमधुर प्रस्तुती दी. कार्यक्रम का आरंभ आपने राग शुध्द कल्याण से किया। परंपरागत आलाप, जोड, झाला प्रस्तुत करने के बाद आपने तीनताल ताल में दो बंदिशे प्रस्तुत की। राग की स्पष्टता, लयकारी एवं मधुरता आपके वादन की विशेषता रही. कार्यक्रम का समापन आपने राग हेमंत व धुन से किया. आपके साथ तबले पर पुणे से पधारे श्री अजिंक्य जोशी द्वारा अत्यंत प्रशंसनीय एवं सराहनीय संगत प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम का कुशल संचालन प्राध्यापक प्रकाश शिंदे द्वारा किया गया. विशेष सहयोग श्रीमती माधुरी कानिटकर, संजय सोनी, आदित्य सप्रे, आलोक सप्रे का रहा. कार्यक्रम के समापन में आयोजक प्राध्यापक अखिलेश सप्रे द्वारा सभी के प्रति कृतज्ञता एवं आभार व्यक्त किया गया।

मुकेश सराठे बने शिवसेना महानगर प्रमुख, कार्यकताओं में खुशी की लहर

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। परम सिद्ध हिंदू हृदय सम्राट माननीय बालासाहेब ठाकरे जी के आशीर्वाद एवं शिवसेना प्रमुख नेता माननीय श्री एकनाथ शिंदे साहेब, उपमुख्यमंत्री महाराष्ट्र राज्य के आदेशानुसार तथा शिवसेना सचिव कैप्टन अभिजीत अडसूल जी के निर्देश पर, माननीय प्रभारी श्री सुरेश गुर्जर जी, शिवसेना संगठन प्रमुख माननीय श्री थानेश्वर महावर जी एवं राज्य प्रमुख राजीव चतुर्वेदी जी की अनुशंसा पर मुकेश सराठे जी को शिवसेना महानगर प्रमुख नियुक्त किया गया है। मुकेश सराठे की नियुक्ति की घोषणा होते ही शिवसेना कार्यकताओं में हर्ष की लहर दौड़ गई। इस अवसर पर शिवसेना के सुजीत पटेल, गजानन गुप्ता, सुधीर ताम्रकार, मनोज नागेश, कुलदीप चौधरी, राकेश विजय गोटिया, राकेश सोनकर, छोटू, धर्मेंद्र सिंह, विकास सराठे, ऋषिराज सोनी सहित समस्त शिवसैनिकों ने उन्हें बधाई दी एवं संगठन को और अधिक सशक्त बनाने का संकल्प लिया।

जबलपुर में दीपावली डेकोरेशन के सामान से भरी तीन मंजिला दुकान और गोदाम जलकर खाक

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। शनिवार को तड़के शहर के प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्र गलगला मुकादमगंज में आग लगने की घटना से अफरा-तफरी मच गई। यहां एक तीन मंजिला दुकान और गोदाम में भीषण आग लग गई। दुकान और गोदाम में दीपावली के लिए सजावटी समान भरा था, जो आग में जलकर खाक हो गया। नगर निगम के सात दमकल वाहनों ने करीब 25 ट्रिप लगाकर किसी तरह आग पर काबू पा लिया। गनीमत ये रही कि आग तड़के लगी उस वक्त बाजार खाली था।

ग्राउंड फ्लोर से लगी आग ऊपर तक पहुंच गई

आग इतनी भीषण थी कि नीचे ग्राउंड फ्लोर में लगी आग देखते ही देखते ऊपर तीन मंजिल तक पहुंच गई। इस घटना में किसी तरह की जनहानि नहीं हुई, लेकिन दुकान में रखा माल पूरी तरह जलकर खाक हो गया। दुकान परमल तेलनी की बताई जा रही है।

तोड़ा दुकान का शटर

दमकल विभाग सहायक अधीक्षक राजेंद्र पटेल के मुताबिक सूचना मिलते ही टीम मौके पर पहुंची। सबसे पहले जेसीबी से शटर तोड़ा गया, फिर अंदर से आग बुझाना शुरू किया गया। आग बुझाने के लिए सात से अधिक फायर गाड़ियां लगाई गईं। समय रहते आग पर काबू पा लिया गया, वरना आसपास की दुकानें और आवासीय मकान भी इसकी चपेट में आ सकते थे। फिलहाल आग पूरी तरह बुझा दी गई है, लेकिन धुआं निकलने के कारण राहत कार्य जारी है। पुलिस और फायर टीम आग लगने के कारणों की जांच कर रही है।

म.प्र. राज्य अधिवक्ता परिषद के आगामी चुनाव वर्ष 2026 में सदस्य पद हेतु आपकी
प्रथम वरीयता मत का आकांक्षी
गोपाल सिंह बघेल (अधिवक्ता)

म.प्र. उच्चन्यायालय जबलपुर (म.प्र.)
पता - हॉल नं 3 सीट नं 7 विधि भवन, म.प्र. उच्चन्यायालय जबलपुर (म.प्र.)
कार्यालय-निवास
कृष्णा कॉलोनी के पास राज परिसर सुहागी, जबलपुर (म.प्र.)
Mob.: 9229653295, 8989141208, 7987512717

संजय गांधी वार्ड 41 में भ्रष्टाचार का खुलासा: कागजों पर बनी सड़क, पुलिया और करोड़ों की लूट

- जनता ठगी की शिकार, अधिकारियों की मिलीभगत पर उठ रहे सवाल
- कागजों पर बनी सड़क, धरातल पर जनता का भरोसा टूटा।
- करोड़ों की लूट, जिम्मेदार अधिकारी और ठेकेदारों की मिलीभगत।
- मुख्यमंत्री कायाकल्प योजना के पैसे हुए गुमनाम।
- GPS फोटो और दस्तावेजों के साथ खुलासा, जांच अनिवार्य।
- जनता मांग रही है पारदर्शिता और न्याय।

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। संजय गांधी वार्ड क्रमांक 41 में रोड और पुलिया निर्माण के नाम पर कथित भ्रष्टाचार का मामला उजागर हुआ है। वार्ड के निवासी मंगन सिद्दीकी ने नगर निगम के आयुक्त को पत्र भेजकर आरोप लगाया कि कई निर्माण कार्य केवल कागजों पर ही दिखाए गए, जबकि धरातल पर आज तक उनका कोई अस्तित्व नहीं है। पत्र में कहा गया है कि मक्का नगर गली संख्या 1 से गली संख्या 8 तक सड़क निर्माण और पुलिया निर्माण के लिए नगर निगम से करोड़ों रुपए भुगतान कर लिए गए, लेकिन कार्य धरातल पर नहीं हुए। मुख्यमंत्री कायाकल्प योजना के तहत स्वीकृत 465 मीटर सड़क के लिए 20,35,000/- रुपए और 11 पुलियों के लिए लगभग 11,00,000/- रुपए का भुगतान किया गया, लेकिन सड़क और पुलिया केवल कागजों पर बनी हैं।

मिलीभगत से करोड़ों की धोखाधड़ी

पत्र में आरोप लगाया गया है कि नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारी और कुछ चिन्हित ठेकेदारों की मिलीभगत से यह काम किया गया। पार्षद और निगम कर्मचारी कथित तौर पर इस घोटाले में शामिल हैं। वार्डवासियों को बताया जाता है कि नगर प्रशासन विकास के लिए धन नहीं दे रहा, जबकि वास्तविकता में करोड़ों रुपये मुख्यमंत्री कायाकल्प, पार्षद मद और अन्य मद से वार्ड विकास के नाम पर निकाले जा रहे हैं।

दस्तावेज और GPS फोटो संलग्न

मंगन सिद्दीकी ने वर्तमान स्थिति के ऋद्धर मैप और फोटो संलग्न किए हैं और नगर निगम से इस पूरे मामले की सत्यापित जांच कराने की मांग की है। उनके पत्र की प्रति जिला कलेक्टर, संभायुक्त जबलपुर संभाग और केबिनेट मंत्री (PWD) को भी भेजी गई है।

वार्डवासियों में रोष और सवाल

वार्डवासियों का कहना है कि अगर भ्रष्टाचार सच में उजागर होता है तो यह शहर में विकास परियोजनाओं की पारदर्शिता और निगरानी के लिए बड़ा संदेश देगा।

ओम होम हैल्थ केयर सर्विस
हमारे पास अशक्त बुजुर्ग मरीजों की देखभाल हेतु नर्स, वार्ड वॉय, आया बाई, फिजियोथैरेपी और दवाईयाँ घर पर उपलब्ध कराए जाते हैं।
प्रो. जितेन्द्र पटैल
CERVIC - 24X7 Hourse
मो. 9340721556, 9753518166
पता - केनरा बैंक महाराष्ट्र हॉई स्कूल गोल बाजार जबलपुर (म.प्र.)

Manufacturer of t-shirts & lowers
Mo. 9174614421, 9406763810
CHANDRAKALA TEXTILES

सभी प्रकार की टी-शर्ट ऑर्डर पर बनाई और प्रिंट की जाती हैं और स्पोर्ट्स सबलिमेसन जर्सी बनाई जाती हैं।
Address : shop no 151, jabalpur fashion design cluster market Lema garden Gohalpur jabalpur 482001

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, मुकेश कुमार श्रीवास द्वारा माँ रेवा पब्लिकेशन एन्ड प्रिंटर्स लक्ष्मीपुर मुस्कान प्लाजा के पीछे विवेकानंद वार्ड एम आर 4 रोड़ जबलपुर म.प्र. 482001 से मुद्रित तथा लक्ष्मीपुर मुस्कान प्लाजा के पीछे एम आर 4 रोड 21 स्वामी विवेकानंद वार्ड जबलपुर म.प्र. 482001 से प्रकाशित । संपादकः अतुल कुमार बंदेवार RNI. Reg. No MPHIN/2023/90965 (समस्त विवादों का न्यायालयीन क्षेत्र जबलपुर) Email:- revanchaljabalpur@gmail.com मोब. 7509202320, 9406771592